जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, रविवार 24 अगस्त, 2025

आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™

Pavitra

रिटेलर और कस्टमर को एक फोन कॉल पर एक दिन में

सुपरफास्ट डिलीवरी

1800-120-2727

BESAN	DESHI CHAKKI AATA	SHARBATI WHEAT	DESHI WHEAT	SHARBATI SUPERIOR AATA	WHEAT DALIA	SUJI (SEMOLINA)
500 g MRP ₹ 70	5 kg MRP ₹ 250	10 kg MRP ₹ 650	10 kg MRP ₹ 450	5 kg MRP ₹ 350	500 g MRP ₹ 40	500 g MRP ₹ 40

COMING SOON

RICE • WHOLE SPICES • POWDER SPICES • PULSES • EDIBLE OILS • DRY FRUITS • BREWS • SWEETNERS

ORDER ON WEBSITE

ORDER ON APP

RETAILERS & CUSTOMERS ALSO ORDER ON WHATSAPP

90704-90704

ORDER ON WHATSAPP

T&C Apply.

विचार बिन्दु

सेवा से शत्रु भी मित्र हो जाता है। -वाल्मीकि

शहरी हरियाली में मृत्यु दर घटाने का रहस्य छुपा है

यजुर्विद संहिता का एक सूत्र है: हरित्समुच्चय: शुभहेतुरेष:, स्वस्थंशरीरंमनसश्चशान्तिम्। विनाशयत्याशुगदांस्तथान्या:, सृजत्ययुंदीर्घमथोसमृद्धिम्।। तात्पर्य यह है कि हरियाली का विस्तार शुभ का कारण है। यह शरीर को स्वस्थ बनाती है और मन को शांति प्रदान करती है। यह शीघ्र ही रोगों और अन्य कष्टों को नष्ट करती है और दीर्घायु तथा समृद्धि को उत्पन्न करती है। आज की चर्चा इसके वैज्ञानिक विश्लेषण पर है।

कभी आपने सोचा है कि हमारे आसपास के हरे-भरे पेड, पार्क और हरियाली हमें कैसे जिंदा रख सकते हैं? यह कहानी एक ऐसे सफर की है जहां विज्ञान और प्रकृति के बीच की अनदेखी डोर ने मानव जीवन को न केवल लंबा किया है, बल्कि इसे शांत और स्वस्थ भी बनाया है। कल्पना कीजिए, एक ऐसा दिन जब शहरों में हरियाली का नामो-निशान मिट चुका हो। हर तरफ केवल कंक्रीट का जंगल, धूल, धुआं और बेचैनी। यही तो आधुनिक शहरीकरण की सच्चाई है, जहां हरियाली कम होती जा रही है। लेकिन विज्ञान ने हमें बताया है कि यह कहानी किसी त्रासदी की ओर बढ़ सकती है। शोध बताते हैं कि जो लोग हरियाली के पास रहते हैं, उनकी मृत्यु दर कम होती है। यह केवल एक आंकडा नहीं, बल्कि जीवन और मृत्यु के बीच की कहानी है।

एक बूढ़ी महिला की कहानी लीजिए, जो शहरी कोलाहल में अपने घर की खिडकी से केवल कंक्रीट की इमारतें देखती है। वह अकेली रहती है, उसका स्वास्थ्य खराब है, और वह अक्सर अस्पताल जाती है। लेकिन एक दिन, उसकी बेटी उसे एक ऐसे घर में ले जाती है, जहां खिडकी के बाहर एक बड़ा बगीचा है। कुछ महीनों में, उसकी मानसिक स्थिति में सुधार होता है, उसकी हृदय गति सामान्य हो जाती है और वह पहले से बेहतर महसूस करने लगती है। यह कहानी केवल भावनात्मक नहीं है, बल्कि वैज्ञानिक है। अध्ययन बताते हैं कि हरियाली हृदय संबंधी बीमारियों, मानसिक तनाव और श्वसन तंत्र पर अद्भुत प्रभाव डालती है।

हरियाली का प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह सामुदायिक स्तर पर भी लाभकारी है। ज़रा सोचिए, एक ऐसा इलाका जहां हरियाली की कमी हो, वहां अपराध दर अधिक होती है। लेकिन जैसे ही एक पार्क का निर्माण होता है, बच्चों के लिए खेलने की जगह मिलती है, वयस्कों के लिए टहलने के रास्ते बनते हैं, क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आने लगते हैं। यह केवल एक सामाजिक परिवर्तन नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य और कल्याण का विस्तार है।

क्या हरियाली के बिना भी जीवन संभव है? वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो नहीं। चीन में एक अनोखा अध्ययन बताता है कि अत्यधिक ठंड या गर्मी से होने वाली मौतों को हरियाली नाटकीय रूप से कम कर सकती है। यह शोध स्पष्ट करता है कि हरियाली केवल सौंदर्य का स्रोत नहीं है, बल्कि यह जीवन रक्षक भी है। हरियाली केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक शांति और दीर्घायु का आधार भी बन सकती है।

दक्षिण एशियाई देशों में हरियाली के महत्व को समझना और भी आवश्यक हो जाता है। शहरीकरण के कारण हरियाली के क्षेत्र सीमित हो गए हैं, जिससे शारीरिक गतिविधियों में कमी और संबंधित बीमारियों, जैसे मोटापा, मधुमेह और उच्च रक्तचाप में वृद्धि हुई है। हरियाली को उपयोगी बनाने के लिए डिज़ाइन में सुधार आवश्यक है। उदाहरण के लिए, महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित और सुलभ पार्क बनाना, जहां वे बिना किसी डर के टहल सकें।

कम आय वाले और हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए हरियाली का सकारात्मक प्रभाव अधिक होता है। गरीब और वंचित समुदाय, जिनके पास स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य संसाधनों तक सीमित पहुंच होती है, हरियाली से अधिक लाभान्वित होते हैं। यह न केवल स्वास्थ्य असमानताओं को कम करने में मदद करता है, बल्कि सामाजिक समानता को बढ़ावा देने का भी एक प्रभावी साधन है।

क्या आप जानते हैं कि ब्लू स्पेस (जैसे तालाब, झील) का भी स्वास्थ्य पर प्रभाव हो सकता है? ब्लू और ठीन स्पेस का सम्मिलित प्रभाव श्वसन और कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों से होने वाली मृत्यु दर को कम कर सकता है। शोध स्पष्ट करता है कि पानी और हरियाली के बीच का यह जुड़ाव हमारी सेहत के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है।

अब जरा एक छोटे लड़के की कल्पना करें, जो बड़े शहर में हरियाली के बिना पला-बढ़ा है। उसकी श्वसन समस्याएं बढ़ जाती हैं, और वह अक्सर अस्पताल जाता है। लेकिन जब वह एक गांव में अपने दादा-दादी के पास जाता है, जहां हर तरफ पेड़ और खेत हैं, तो उसका स्वास्थ्य बेहतर हो जाता है। यह सिर्फ एक कहानी नहीं है, बल्कि हकीकत है। अध्ययनों ने दिखाया है कि हरियाली केवल बीमारी को रोकने का साधन नहीं है, बल्कि यह पुनर्वास और उपचार का भी एक प्रभावी माध्यम हो सकती है।

नीचे प्रस्तुत शोध के आंकड़े और उनके निष्कर्षों में हरियाली और स्वास्थ्य के बीच संबंधों पर व्यापक और समग्र विवरण देखा जा सकता है।

अल्फ़ानो और साथियों (Environmental Research: 216, 2023) ने 538 नमूनों पर अध्ययन किया। उन्होंने गर्भावस्था के दौरान माताओं के हरियाली के संपर्क का नवजात शिशुओं के डीएनए मिथाइलेशन पर प्रभाव देखा। 147 डिफरेंशियली मिथाइलेटेड क्षेत्र की पहचान की गई, जिनमें से 85 क्षेत्रों ने प्रदूषण, सड़क की दूरी, शहरीकरण और पड़ोस की आय जैसे कारकों के बावजूद भी महत्वपूर्ण परिणाम दिखाए। यह अध्ययन हरियाली और आनुवंशिक प्रभावों के बीच संबंध को रेखांकित करता है।

कामी-बर्नाल और साथियों (Health and Place: 82, 2023) ने हरियाली और टाइप-2 मधुमेह के बीच संबंध पर 13 कोहोर्ट अध्ययनों का विश्लेषण किया, जिनमें 1,700 से 19,22,545 प्रतिभागी शामिल थे। उन्होंने पाया कि जिन व्यक्तियों को अधिक हरियाली का संपर्क मिला, उनमें टाइप-2 मधुमेह की घटनाएं कम थीं।

हरियाली का महत्व केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह हमारी संस्कृति, हमारे समाज, और हमारे अस्तित्व का आधार है। यह हमें न केवल जिंदा रखती है, बल्कि हमें जीवन जीने का तरीका भी सिखाती है। यह समय है कि हम इस ज्ञान को अपनाएं और अपने जीवन में हरियाली को स्थान दें। आखिरकार, यह केवल पेड़ों और पौधों की बात नहीं है; यह हमारे जीवन की बात है।

डिमाकोपुलू और साथियों (Frontiers in Epidemiology, 3, 2023) ने यूरोप के नौ देशों में 204 मिलियन व्यक्ति-वर्ष और 3.1 मिलियन मौतों के आंकड़ों का विश्लेषण किया। उन्होंने पाया कि पी.एम.2.5, नाइट्रोजन के ऑक्साइड और ब्लैक कार्बन के संपर्क से मृत्यु दर बढ़ती है, लेकिन हरियाली का उच्च स्तर इन नकारात्मक प्रभावों को कम कर सकता है।

लियू और साथियों (Environmental Pollution, 301, 2022) ने 53 अध्ययनों का विश्लेषण किया, जिनमें 18 देशों के 100 मिलियन व्यक्ति शामिल थे। उनका मेटा-विश्लेषण दिखाता है कि एनडीवीआई (हरियाली का माप) में 0.1 की वृद्धि से कार्डियोवैस्कुलर मृत्यु दर में 2-3 प्रतिशत की कमी होती है।

अधिकारी और साथियों (The Lancet Planetary Health, 4, e135-e136, 2020) ने दक्षिण एशिया के संदर्भ में हरियाली और स्वास्थ्य का अध्ययन किया। उन्होंने यह पाया कि शहरीकरण के कारण हरियाली की कमी मोटापा, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों को बढ़ाती है। उन्होंने सुझाव दिया कि हरियाली के डिज़ाइन और उसकी उपलब्धता में सुधार के लिए नीतिगत प्रयासों की आवश्यकता है।

बर्ट्रेंड और साथियों (Public Health, 200:91-98, 2021) ने 13 एक्सपोजर-रिस्पॉन्स फंक्शन का उपयोग किया और निष्कर्ष निकाला कि एनडीवीआई में 0.1 की वृद्धि सामान्य मृत्यु दर के जोखिम अनुपात को 0.96 तक कम कर सकती है।

कुआ और ली (Perspectives in Public Health, 141: 342-353, 2021) ने 20 अध्ययनों (133,363 प्रतिभागी और 202 मिलियन व्यक्ति) का विश्लेषण किया और पाया कि हरियाली का अधिक संपर्क सामान्य मृत्यु दर को 3 प्रतिशत तक कम कर सकता है।

झोउ और साथियों (Sustainable Cities and Society, 116, 2024) ने 21 अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि ब्लू और ग्रीन स्पेस का संयुक्त प्रभाव श्वसन और हृदय संबंधी मृत्यु दर को कम करता है।

ही और साथियों (Science of the Total Environment, 851, 2022) ने 138,749स्ट्रोक से संबंधित मौतों का अध्ययन किया और निष्कर्ष निकाला कि हरियाली ने ठंड और गर्मी से संबंधित स्ट्रोक मृत्यु दर को कम किया। उच्च एनडीवीआई नेविशेष रूप से गर्मी के प्रभाव को कम करने में सहायता की।

रिगोलोन और साथियों (International Journal of Environmental Research and Public Health, 18: 1-29, 2021) ने 90 अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि गरीब और वंचित समुदाय हरियाली से अधिक लाभान्वित होते हैं। हरियाली इन समुदायों में स्वास्थ्य असमानताओं को कम करती है।

रॉजस-रुएडा और साथियों (The Lancet Planetary Health, 3:e469-e477, 2019) ने 8.3 मिलियन प्रतिभागियों पर नौ अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि एनडीवीआईमें 0.1 की वृद्धि सामान्य मृत्यु दर को 4 प्रतिशत तक कम कर सकती है।

स्मिथ और साथियों (Cities, 119, 2021) ने ब्लू स्पेस के प्रभावों का विश्लेषण करते हुए पाया कि ब्लू स्पेस का संपर्क मोटापे और सामान्य मृत्यु दर में सुधार करता है।

युआन और साथियों (Aging Clinical and Experimental Research, 33:1783-1797, 2021) ने बुजुर्ग व्यक्तियों पर हरियाली के प्रभाव का अध्ययन किया और पाया कि हरियाली का संपर्क सामान्य और स्ट्रोक मृत्यु दर को कम करता है।

इसी प्रकार जरे सखाविदि इत्यादि (Science of the Total Environment, 838, 156180, 2022) द्वारा हरियाली और कैंसर के संबंध पर 18 अध्ययनों का मेटा-विश्लेषण बताता है कि फेफड़ों और अन्य प्रकार के कैंसर पर हरियाली के सकारात्मक प्रभाव के संकेत मिले।

इन शोधों ने हरियाली के व्यापक लाभों को दर्शाया है, जिसमें मृत्यु दर में कमी, स्वास्थ्य सुधार और सामाजिक असमानताओं को कम करने की क्षमता शामिल है। यह स्पष्ट है कि हरियाली मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।

लेकिन हम इस ज्ञान का उपयोग कैसे कर सकते हैं? व्यक्तिगत स्तर पर, हम अपने आस-पास अधिक से अधिक पौधे लगा सकते हैं। पड़ोस के पार्क में नियमित रूप से समय बिताना हमारे स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाल सकता है। जैसा कि यजुर्विद संहिता में कहा गया है: वनंप्रविश्यप्रचलन्ति ये ते, धृतिंलभन्तेहृदये सदा वै। तनु: सुदृढ्यामनस: प्रसादं, विधायसेव्यंशमयेत्व्यथाश्च।। तात्पर्य यह है कि वन में प्रवेश करके जो लोग पैदल भ्रमण करते हैं, वे सदा अपने हृदय में स्थिरता (धैर्य और शक्ति) प्राप्त करते हैं। उनका शरीर सुदृढ़ होता है और मन प्रसन्न हो जाता है। इस प्रकार, वन को सेवन करते हुए (वन में नियमित भ्रमण करते हुए), शारीरिक और मानसिक दुखों और कष्टों को शांत किया जा सकता है।

बच्चों को प्रकृति के संपर्क में लाना, उन्हें पेड़ों और हरियाली के महत्व के बारे में सिखाना भी एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रशासन के लिए यह जरूरी है कि हरियाली को शहरी योजना का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए। पार्कों का निर्माण, सार्वजनिक स्थानों पर हरियाली बढ़ाना, और ब्लू-ग्रीन स्पेस का प्रबंधन इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। इसके साथ ही, सामाजिक असमानता को ध्यान में रखते हुए ऐसी योजनाएं बनानी चाहिए, जो गरीब और वंचित समुदायों के लिए अधिक सुलभ हों।

हरियाली का महत्व केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह हमारी संस्कृति, हमारे समाज, और हमारे अस्तित्व का आधार है। यह हमें न केवल जिंदा रखती है, बल्कि हमें जीवन जीने का तरीका भी सिखाती है। यह समय है कि हम इस ज्ञान को अपनाएं और अपने जीवन में हरियाली को स्थान दें। आखिरकार, यह केवल पेड़ों और पौधों की बात नहीं है; यह हमारे जीवन की बात है। आइए, इसे संजोएं और संरक्षित करें।

-अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

डेमोग्राफी मिशन से राष्ट्रीय सुरक्षा को मिलेगा नया आधार

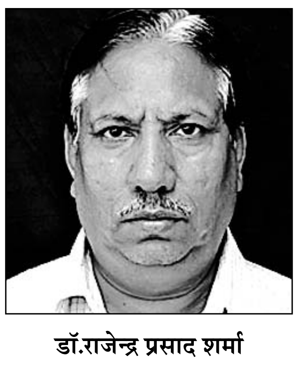

डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को संबोधित करते हुए हाईपॉवर डेमोग्राफी मिशन की घोषणा कर देश के सीमावर्ती जिलों में अवैध घुसपैठियों और अन्य कारणों से देश में आ रहे डेमोग्राफी बदलाव की समस्या के समाधान की आश बंधी है। देश के कुछ हिस्सों खासतौर से सीमावर्ती जिलों में आबादी असंतुलन से बड़ी समस्या होती जा रही है। डेमोग्राफी मिशन को राजनीतिक लाभ हानि की दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए। अपितु जो तस्वीर देश में सामने आ रही है उससे सबसे बड़ी और गंभीर समस्या सीमावर्ती क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर आ गई है।

हालांकि राजनीतिक दल वोट बैंक के चलते बांग्लादेशियों, रोहिंग्याओं सहित अवैध प्रवास कर रहे लोगों के पक्ष में आ जाते हैं पर यह सीधा-सीधा राष्ट्रीय सुरक्षा का गंभीर मुद्दा होता जा रहा है। पिछले दिनों अमेरिका के लॉस एंजिल्स की घटना पर ध्यान दिया जाना जरुरी हैं जहां वाहनों को जलाते और लूटपाट मचाकर कानून व्यवस्था को ही तहस-नहस करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। फ्रांस में भी इस तरह की घटनाएं होती रही हैं। रवांडा, पश्चिमी वाल्मिक, यारोपीय देश आदि दुनिया के अनेक देश इस समस्या से दो चार होते रहे हैं। अमेरिका के चुनाव परिणाम किस तरह से लांस एंजिल्स में प्रभावित होते हैं वह सबके सामने हैं। हमारे देश में पश्चिमी बंगाल, असम, बिहार, उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड, झारखण्ड आदि कई दृष्टि से प्रभावित हो रहे हैं। बांग्लादेशी, रोहिंग्या अवैध घुसपैठ कर देश के हर कोने में आसानी से पहुंच रहे हैं और जब किसी तरह की घटना होती हैं तो इनके द्वारा आंतक और अशांति फैलाई जाती है वह भी किसी से नहीं है।

दुनिया के देशों में अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाती है। चीन जैसे देश तो इतने कठोर कदम उठाते हैं कि कभी पता ही नहीं चल सकता की स्वतंत्रता क्या होती है उसका पता ही नहीं चलता। अफगान सीमा पर तो गोली मार दी जाती है। क्यूबा में राजनीतिक जेल में बंद हो जाते हैं। सउदी अरब में भी जेल में बंद कर दिया जाता है। ठीक इसके विपरीत हमारे हालात है। हमारे यहां राजनीतिक संरक्षण मिल जाता है। सोशल एक्टिविस्ट सक्रिय हो जाते हैं। हमारे यहां तो अवैध कब्जा, राशनकार्ड, नि:शुल्क सुविधाओं से लाभान्वित करवाने वाले सक्रिय हो जाते हैं। सच में देखा जाए तो राष्ट्रीय सुरक्षा से एक तरह से लेना देना ही नहीं रहता। यही कारण है कि बांग्लादेशी हो या रोंहिग्या हो या पाकिस्तान परस्त लोग देश की सुरक्षा और अशांति फैलाने में कोई कमी नहीं छोड़ते हैं। ज्योंही कहीं पर कोई कार्रवाई करने को प्रशासन आगे आता है तो इनके बचाव में मानवीयता का नारा उछालने लगते हैं। यह अपने आप में दुर्भाग्यपूर्ण हालात है।

डेमोग्राफी का सबसे पहले प्रयोग 1855 में बेल्जियम के अकिल गुडलार्ड ने अपनी पुस्तक एलिमेंट्स ऑफ ह्यूमन डेमोग्राफी में किया। हांलाकि जनसांख्यकी की बात राबर्ट माल्थस 1766 से 1834 में कर चुके हैं और उन्होंने पूरी थ्योरी प्रस्तुत की है। डेमोग्राफिक अध्ययन को दो तरह से समझना पड़ेगा। एक तो सामान्य तौर पर जिस तरह से आयु-धर्म के आधार पर जनसांख्ययीय अध्ययन कर विकास की रुपरेखा तैयार की जाती है। यह एक तरह से इस समस्या का समाधान डेमोग्राफिक अध्ययन के परिणामों के आधार पर नीति व योजनाएं बनाकर की जाती है और की जा सकती है। इसके ठीक विपरीत जिस तरह से देश में अराजकता और अशांति फैलाने और घुसपैठ व वर्गविशेष के कारण जनसंख्या में बदलाव लाकर क्षेत्रीय असंतुलन पैदा करने का प्रयास किया जाता है वह अधिक गंभीर व चिंतनीय हो जाती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा डेमोग्राफी मिशन की घोषणा के निश्चित रुप से राजनीतिक अर्थ निकालने के प्रयास किये जायेंगे। इसे लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयं सेवक द्वारा घुसपैट और सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध मदरसों आदि द्वारा संचालित गतिविधियों के खिलाफ आवाज उठाई जा रही है उससे जोड़कर देखने का प्रयास किया जाएगा। यहां इसको भी ध्यान में रखना होगा कि अवैध घुसपैठियों द्वारा सीमावर्ती जिलों में जिस तरह से आदिवासियों की जमीन और संपत्ती पर कब्जा किया जा रहा है यह भी किसी से छिपा नहीं हैं।

बीएसएफ और एसएसएफ द्वारा जिस तरह से सरकार को लगातार रिपोर्टें दी जाती रही हैं पहलीवार उसे गंभीरता से लिया जा रहा है। बीएसएफ के पूर्व एडीजी पीके मिश्रा का कहना है कि डेमोग्राफी मिशन को राजनीतिक चश्में से नहीं देखा जाना चाहिए। यह तो सीधा सीधा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। आज समूचा देश डेमोग्राफिक समस्या से दो चार हो रहा है। इसे नेपाल, बांग्लादेश, सीमावर्ती इलाकों में मुसलमान और हिंदुओं की आबादी में आ रहे बदलाव आदि से देखना होगा। प्रधानमंत्री की चिंता किसी एक क्षेत्र या सीमा तक नहीं है। इसका बड़ा कारण देश में डेमोग्राफिक समस्या की गंभीरता को समझने से ही होगा। आने वाले दिनों में बिहार, बंगाल आदि में चुनाव होने हैं और राजनीतिक दल इस घोषणा को निश्चित रुप से मुद्दा बनायेंगे, इससे इंकार नहीं किया जा सकता। पर धरातलीय समस्या से आंख नहीं मूंदी जा सकती। बंगाल की मुर्शिदाबाद, बिहार का किशनगंज, उत्तरप्रदेश का नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र, असम के आदिवासी क्षेत्र, पश्चिमी बंगाल और झारखण्ड के हालात सामने हैं। सीमावर्ती सहित इन क्षेत्रों में मदरसों द्वारा जिस तरह का वातावरण तैयार किया जा रहा है उससे डेमोग्राफी बदलती जा रही है। कश्मिर का उदाहरण हमारे सामने है आज कश्मिरी पंडितों का कश्मिर से विस्थापन हो चुका है।

डेमोग्राफी मिशन के पक्ष विपक्ष में अंतहिन विवाद किया जा सकता है पर दो टके का सवाल यही है कि देश को किसी भी हालत में आंतरिक व राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर किसी तरह का कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिये। जिस तरह से देश के कई पॉकेट्स में तेजी से डेमोग्राफिक असंतुलन बन रहा है उसे देखते हुए देरी से ही सही पर डेमोग्राफिक मिशन की घोषणा स्वागतीय है। सभी को दलीय राजनीति से उपर उठकर इसका स्वागत किया जाना चाहिए। यह साफ हो जाना चाहिए कि देश की आंतरिक और सीमावर्ती सुरक्षा को कोई खतरा नहीं होना चाहिए। कोई भी राष्ट्र् इसे स्वीकार भी नहीं करेगा। घुसपैठियों के कारण जिस तरह की समस्याएं और आदिवासियों की भूमि पर कब्जा करने से लेकर देश की आम जनता के लिए लोकहितकारी योजनाओं में सैंध लगारहे हैं उसे रोका जाना अतिआवश्यक हो गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस भावना के साथ मिशन की घोषणा की है उसी भावना और मंशा के साथ इस मिशन को आकार दिया जाना चाहिए और पूरी कार्ययोजना बनाकर इसे जल्द से जल्द से आकार दिया जाना चाहिए ताकि डेमोग्राफिक मिशन अपना कार्य आरंभ कर सके। डेमोग्राफिक संतुलन व सीमाओं की सुरक्षा के साथ ही योजनावद्ध तरीके से असंतुलन के जो प्रयास किये जा रहे हैं उस पर प्रभावी अंकुश लगाया जाना जरुरी है। इसे राजनीतिक विवाद से दूर ही रखा जाना चाहिए। सोशल एक्टिविस्टों को भी राष्ट्रहित को पहली प्राथमिकता देनी ही होगी।

-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर अलवर में विद्यार्थियों ने साइंस प्रदर्शनी लगाई

पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय नं.1 में लगाई गई साइंस प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने अपने मॉडलों का प्रदर्शन किया

केन्द्रीय मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव ने साइंस प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

अलवर, (निसं)। केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव ने शनिवार को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर अलवर में पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय नं.1 में विद्यार्थियों द्वारा अटल टिंकरिंग लैब में लगाई गई साइंस प्रदर्शनी का अवलोकन किया एवं शिक्षाविदों से संवाद किया। अटल टिंकरिंग लैब में विद्यार्थियों ने आई ओटी डिवाइस, रोबोटिक्स किट व थ्री डी प्रिंटर व अन्य उपलब्ध आधुनिक सामग्री की सहायता से लगाई गई साइंस प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने अपने नवोन्मेशी मॉडल का प्रदर्शन किया, जिसको मंत्री यादव ने बारीकी से देखकर विद्यार्थियों की हौंसला-अफजाई की। केंद्रीय मंत्री यादव ने कार्यक्रम के दौरान शिक्षाविदों व विद्यार्थियों से रूबरू होकर कहा कि 23 अगस्त 2023 को चंद्रमा पर चंद्रयान के द्वारा विक्रम लैंडर ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रूव पर सॉफ्ट लैंडिंग कर इतिहास रचा था। उसके पश्चात प्रज्ञान रोवर चंद्रमा की सतह पर उतरकर अनुसंधान किया था।

उन्होंने भारत सरकार के अटल इनोवेशन मिशन के बारे में बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न केवल इसको प्रारम्भ किया, बल्कि इस मिशन के तहत परम्परागत शिक्षा की तुलना में नवाचार व अनुभवात्मक शिक्षा की भावना को युवा पीढ़ी के बीच बनाना है। इसी मिशन में अटल टिंकरिंग लैब एक महत्वपूर्ण घटक है जिसके तहत सरकारी स्कूलों में आधुनिक लैब बनाई जा रही है, जिसका उद्देश्य शिक्षा के स्कूली दिनों में ही शोध और अनुसंधान के प्रति बच्चों की अभिरूचि जाग्रत करना है। साथ ही समुदाय में शिक्षा की उपलब्धता का जो गैप है उसे फिल करना है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा सभी तक बेसिक शिक्षा पहुंच सके इसके लिए समग्र शिक्षा अभियान चलाया गया था। वर्तमान में अभूतपूर्व बदलाव आए हैं, अब साक्षर होना नाकाफी है, बल्कि तकनीकी रूप से दक्ष होना भी समय की मांग है।

उन्होंने कहा कि इस विषय को आगे बढ़ाते हुए अलवर जिले में ई-गुरूकूल लाइब्रेरी शुरू करने की एक मुहिम शुरू की है जिसके तहत जिले के सभी क्षेत्रों में विद्यार्थियों और युवाओं को आधुनिक तकनीक पर आधारित डिजिटल शिक्षा मिल सके, जिससे युवा न केवल अपने करिकूलम का अध्ययन कर सकेंगे, बल्कि अपने कैरियर से संबंधित शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए सांसद निधि कोष का उपयोग करने के साथ सामुदायिक सहयोग की भी आवश्यकता है, जिसमें सामुदायिक सहयोग के साथ-साथ जिला प्रशासन द्वारा भी इस कार्य को आगे बढ़ाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि तकनीकी के इस दौर में बच्चों व युवाओं को खेल मैदान से जोड़ने व उन्हें खेल में आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से अलवर में अलवर सांसद खेल उत्सव शुरू किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों व युवाओं की भागीदारी रही। इसमें बेटियों ने भी बढ़चढ़कर भाग लिया। प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें अच्छा प्रशिक्षण दिया जाना भी आवश्यक है। इसके लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को ग्रीष्मकाल अवकाश में अंतरराष्ट्रीय स्तर तक के खेल प्रशिक्षकों से प्रशिक्षण दिलाने का कार्य किया गया है। साथ ही अलवर पर्यटन को बढ़ाने के उद्देश्य से अलवर टाईगर मैराथन का आयोजन कराया गया, जिसमें देशभर से एथलिटों की भागीदारी रही। अबकी बार यह मैराथन अंतरराष्ट्रीय स्तर की कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि 29 अगस्त खेल दिवस के अवसर पर एक आयोजन कराया जा रहा है, जिसमें अलवर में केंद्रीय खेल मंत्री को आमंत्रित किया गया है।

जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस से युवा पीढी प्रेरणा लेकर विज्ञान और तकनीकी और अनुसंधान की ओर अग्रसर हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री व अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव की प्रेरणा से अलवर में जिला प्रशासन द्वारा ई-विद्या प्रोजेक्ट शुरू किया गया है, जिसके तहत सरकारी स्कूलों में डिजिटल तकनीक पर आधारित ई-लाइब्रेरी विकसित की जा रही है। उन्होंने कहा कि इससे सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को आधुनिक शिक्षा मिल सकेगी तथा वो अपने कॉम्पटेटिव परीक्षाओं की भी तैयारी यहां कर सकेंगे।

प्राचार्य गंगाधर मीणा ने विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत कर विद्यालय में की गई गतिविधियों व अटल टिंकरिंग लैब से विद्यार्थियों में विज्ञान व अनुसंधान के प्रति बढ़ रही रूचि के बारे में विस्तार से बताया।

इस दौरान जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, एडीएम द्वितीय योगेश डागुर, महासिंह चौधरी, बन्नाराम मीणा, संजय नरूका, घनश्याम गुर्जर, इंद्र यादव, दौलतराम जाटव, वीरमती देवी, अरूण जैन, जितेन्द्र शर्मा, सतीश यादव सहित अनेक प्रबुद्ध व्यक्ति, शिक्षाविद्, विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

राशिफल रविवार 24 अगस्त, 2025

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 2:06 तक, शिव योग दिन 12:30 तक, बव करण दिन 11:49 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-कन्या, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज राजयोग दिन 11:49 से रात्रि 2:06 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग और त्रिपुष्कर योग रात्रि 2:06 से सूर्योदय तक है। आज चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृंगोन्नति है। आज नक्त व्रत पूर्ण होंगे। आज वीर जन्मोत्सव (जैन), प्रथम प्रकाश उत्सव गुरू ग्रन्थ साहिब (प्रा.मत) है। आज से मौन व्रत (जैन) आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:42 से 9:18 तक, लाभ-अमृत 9:18 से 12:24 तक, शुभ 2:05 से 3:41 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:06, सूर्यास्त 6:52

मेष

परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आवश्यक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष
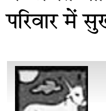

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

मिथुन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कर्क
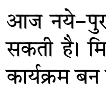

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। धार्मिक-सामाजिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

सिंह

अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज आवश्यक कार्य योजनानुसार संपन्न हो सकते हैं। परिवार में मनोरंजन पर धन खर्च हो सकता है।

कन्या

आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

तुला

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

वृश्चिक
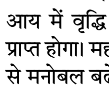

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

धनु

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। शुभ-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। आज धार्मिक स्थान की यात्रा हो सकती है।

मकर

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

कुंभ

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सामाजिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
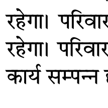

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। किसी भी कारण से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 | वर्षः 30 | संख्याः 24 | प्रभात | अजमेर, रविवार 24 अगस्त, 2025 | आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 | पृष्ठ 8 | मूल्य 2.50 रु.

यूरोपीय देश एकजुट होकर अमेरिका के साथ खड़े हुए यूक्रेन के मुद्दे पर

पुतिन कुण्ठित हुए, अकेले पड़ने से, तथा उन्होंने यूरोपीय देशों पर कटाक्ष किया कि इन देशों ने अपनी ''सॉवरैनिटी'' (संप्रभुता) गिरवी रख दी है

-अंजन रॉय-
-अमेरिका में राष्ट्रदूत प्रतिनिधि-

वॉशिंगटन,23 अगस्त। ऐसे में जबकि पश्चिमी देश अमेरिका के प्रति निष्ठा दिखा रहे हैं, व्लादिमीर पुतिन ने उन सभी पर तीखा हमला बोल है।

कुछ हद तक अलग-थलग पड़े रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अब उन पश्चिमी सहयोगियों पर सीधा हमला बोला है जिन्हें अब कोएलिशन ऑफ द विलिंग (इच्छुकों का गठबंधन) कहा जा रहा है। पहले जहाँ यूरोपीय देशों और अमेरिका के बीच साफ-साफ मतभेद था, अब समीकरण बिल्कुल उलट गए है। पूरा पश्चिमी ब्लॉक अमेरिका के साथ आ गया है और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व को खुले तौर पर मान्यता दे रहा है। इसका सबसे अच्छा उदाहरण वह तस्वीर है, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें ट्रंप बीच में बैठे हैं और उनके चारों ओर पश्चिमी यूरोप के नेता ऐसे बैठे हैं जैसे किसी कक्षा में बच्चों को शिक्षक समझा रहे हों।

इस नए गठबंधन पर स्पष्ट टिप्पणी करते हुए, रूसी राष्ट्रपति ने अपने घरेलू दर्शकों को संबोधित भाषण में,जो कि साफ तौर पर उनके अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वियों के लिए था, कहा कि ''पश्चिमी यूरोप के देशों ने स्पष्ट रूप से अपनी संप्रभुता खो दी है।''

- पुतिन ने कहा कि रूस कभी भी अपनी संप्रभुता गिरवी रखकर समझौता नहीं करेगा। उन्होंने चीन, भारत व बांग्लादेश के साथ मिलकर अपना अलग गुट बनाने की बात कही।
- पुतिन ने यह भी कहा कि रूस की अन्य देशों से दोस्ती व सम्बन्ध बनाने का आधार होता है, उन देशों से सहयोग करके, उन देशों के साथ उन देशों के विकास में भागीदार होना, जबकि अन्य देश (अमेरिका) अन्य देशों को केवल एक मार्केट के रूप में देखता है। जैसा कि विदित ही है, रूस बांग्लादेश में न्यूक्लियर पावर प्लॉन्ट बना रहा है।
- साथ ही रूस ने अमेरिका के साये में यूक्रेन के साथ त्रिपक्षीय वार्ता व मुलाकात का प्रस्ताव भी ठुकरा दिया है। हालांकि, रूस ने औपचारिक तौर पर कहा यही है, कि यूक्रेन अभी त्रिपक्षीय वार्ता के लिए तैयार नहीं है, क्योंकि यूक्रेन ने अपनी भूमि छोड़ने व नाटो की सदस्यता को छोड़ने का इरादा त्यागने पर अभी तक सहमति नहीं दी है।

अपना स्टेटस गंवाने की इन देशों की स्थिति को और स्पष्ट करने के लिए पुतिन ने कहा कि कई देश अपनी संप्रभुता खोने के बाद भी अपने स्टेटस से संतुष्ट हैं। उन्होंने ज़ोर दिया कि रूस इस रास्ते पर नहीं चलेगा और कभी भी इन बुनियादी सिद्धांतों पर समझौता नहीं करेगा।

पुतिन ने यह भी कहा कि भले ही पश्चिमी गोलार्ध में रूस अकेला पड़ गया हो, लेकिन वह अपने खुद के देशों का गठबंधन बना रहा है। उन्होंने साफ तौर पर चीन, भारत और बांग्लादेश का उल्लेख किया। चीन के साथ रूस की ''अनंत मित्रता'' की बात करते हुए उन्होंने भारत और बांग्लादेश के साथ सहयोग के विशेष क्षेत्रों को रेखांकित किया। ज्ञातव्य हैं कि रूस बांग्लादेश में कुछ परमाणु बिजलीघर भी बना रहा है।

उन्होंने रूसी दृष्टिकोण की ओर इशारा किया जिसमें रिश्ते, सहयोग और स्थानीय विकास के स्तर पर बनाए जाते हैं। उन्होंने दावा किया कि वह स्थानीय क्षमताओं को विकसित करने में मदद कर रहे हैं, जबकि पश्चिमी देश केवल अपने उत्पाद बेचने में लगे रहते हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खराब लड्डू बेचे, हलवाई पर जुर्माना

जयपुर, 23 अगस्त। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-तृतीय ने ग्राहक को सवामणी प्रसादी के लिए खराब लड्डू बेचने पर कंवर नगर निवासी हलवाई संजय कुमार शर्मा पर 11 हजार रुपए हर्जाना लगाया है। वहीं हलवाई को निर्देश दिया है कि वह ग्राहक को खराब लड्डुओं की कीमत 18,500 रुपए भी ब्याज सहित वापस करे। आयोग के अध्यक्ष देवेन्द्र मोहन माथुर व सदस्य पवन कुमार भारद्वाज ने यह आदेश मानसरोवर निवासी राकेश गर्ग के परिवाद पर दिया। आयोग ने कहा कि

- जिला उपभोक्ता आयोग ने सवामणी के लिए खराब लड्डू बेचने पर ब्याज सहित कीमत लौटाने तथा 11 हजार रुपये जुर्माना देने के आदेश दिये।

साक्ष्यों से स्पष्ट है कि विपक्षी ने इस बात का खंडन नहीं किया है कि उसके द्वारा दूषित लड्डू नहीं बेचे गए थे। ऐसे में यह विपक्षी की ओर से सेवाओं में कमी और अनफेयर ट्रेड प्रेक्टिस है। ऐसे में विपक्षी पर हर्जाना लगाया जाना उचित होगा।

मामले के अनुसार, परिवादी ने खोले के हनुमानजी मंदिर में सवामणी प्रसादी के लिए 22 फरवरी 2022 को 50 किलो चौगानी लड्डू 18,500 रुपए में खरीदे थे। उसने लड्डू का मंदिर में भोग लगाकर परिजनों को प्रसादी वितरण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एन.डी.ए. के पास पर्याप्त संख्याबल नहीं अमित शाह के विधेयक को पास कराने के लिए

इस संविधान संशोधन विधेयक को लोकसभा में पारित कराने के लिए दो तिहाई बहुमत, यानि 365 सदस्यों का समर्थन चाहिये, जबकि एनडीए के पास 293 सांसद हैं, लोकसभा में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ला ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अगस्त। गृह मंत्री अमित शाह ने 20 अगस्त को लोकसभा में एक विवादित बिल पेश किया था, जिसके तहत प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों को अयोग्य ठहराने का प्रावधान है। लेकिन यह बिल आगे बढ़ ता नहीं दिख रहा है।

हालांकि, बिल को संसद की संयुक्त समिति के पास भेजा गया है, मगर इसे पास करने के लिए लोकसभा में दो-तिहाई यानि 365 सांसदों का समर्थन चाहिए, जबकि एनडीए के पास सिर्फ 293 सांसद हैं। जो इस संविधान संशोधन बिल को पास करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं।

बिल बिना किसी सलाह-मशविरे के लाया गया था, इसलिए कोई आश्चर्य नहीं होगा कि चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी और नीतीश कुमार की जेडीयू इसका समर्थन नहीं करें, जिससे एनडीए की ताकत और घट जाएगी।

असल में, इस बिल के जरिए इन दो सहयोगी दलों को डराने की कोशिश की गई थी कि वे एनडीए का साथ देते रहें नहीं तो उनके मुख्यमंत्री केंद्रीय एजेंसियों (जैसे ईडी या सीबीआई) के शिकंजे में फंस जाएंगे और क्योंकि, वो 100 दिन जेल में रहेंगे तो उनकी कुर्सी चली जाएगी, क्योंकि अदालतें सामान्यतः 100 दिनों में जमानत नहीं देतीं। संविधान विशेषज्ञ पी.डी.टी. आचार्य 14वीं और 15वीं लोकसभा के

- अमित शाह के विधेयक के अनुसार, प्र.मंत्री, मु.मंत्री या अन्य कोई मंत्री की सदस्यता समाप्त की जा सकेगी,अगर वह, 100 दिन से अधिक जेल में कैद रहेगा।
- इस विधेयक को लाने से पहले एनडीए के अन्य घटकों को विशेषकर, चन्द्रबाबू नायडू व नीतीश कुमार को विश्वास में नहीं लिया गया था, अतः सम्भावना है, कि तेलगुदेशम व जद (यू) भी इस विधेयक के पक्ष में वोट नहीं करेंगे।
- ये दिक्कतें आयेंगी, यह जानते हुए भी, यह विधेयक लोकसभा में क्यों पेश किया गया, यह एक विचारणीय प्रश्न है।
- विपक्ष का प्रचार है, कि प्रायः न्यायालय सौ दिन में जमानत नहीं दे पाते हैं, अतः यह विधेयक उन मुख्यमंत्रियों को चेतावनी देने के लिए लाया गया है, जो सरकार को उत्साहजनक समर्थन नहीं दे रहे हैं, अतः उन पर सदस्यता रद्द करने के लिए ई.डी., सी.बी.आई. की ''रेड'' करवाई जा सकती है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अमेरिका के लिए सौ डॉलर से ज्यादा कीमत की डाक सेवाएं बंद'

भारतीय डाक विभाग का यह आदेश 25 अगस्त से क्रियान्वित होगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अगस्त। भारतीय डाक विभाग ने घोषणा की है कि 25 अगस्त 2025 से अमेरिका के लिए 100 डॉलर से अधिक मूल्य वाली अधिकांश अंतरराष्ट्रीय डाक सेवाएँ अस्थायी रूप से बंद कर दी जाएँगी। यह कदम अमेरिकी सरकार के नए नियमों के बाद उठाया गया है।

अमेरिका ने 30 जुलाई 2025 को जारी आदेश (एक्ज़िक्यूटिव ऑर्डर न. 14324) में 800 डॉलर तक के सामान पर मिलने वाली ड्यूटी-फ्री छूट खत्म कर दी है। अब 29 अगस्त से अमेरिका आने वाले हर सामान पर कस्टम ड्यूटी लगेगी। केवल 100 डॉलर तक के गिफ्ट आइटम ड्यूटी-फ्री रहेंगे।

- अमेरिका ने 30 जुलाई 2025 को जारी आदेश में 800 डॉलर तक के सामान पर मिलने वाली ड्यूटी फ्री छूट खत्म कर दी है, अब अमेरिका भेजे जाने वाले हर सामान पर कस्टम ड्यूटी लगेगी। सिर्फ 100 डॉलर तक के गिफ्ट आइटम ही ड्यूटी फ्री रहेगें।

नए आदेश के तहत अब केवल वे ट्रांसपोर्ट कैरियर्स या क्वालिफाइड पार्टियां जिन्हें अमेरिकी कस्टम और बॉर्डर प्रोटेक्शन (सी.बी.पी.) मान्यता देगा, वे ही ड्यूटी वसूल कर सरकार को जमा कर पाएँगे। हालांकि, इन प्रक्रियाओं की पूरी जानकारी अभी स्पष्ट नहीं है।

इसी वजह से अमेरिका जाने वाली एयरलाइनों ने कहा है कि वे 25 अगस्त के बाद ऐसे डाक पार्सल स्वीकार नहीं कर पाएँगी।

डाक विभाग ने बताया कि अब अमेरिका के लिए सिर्फ पत्र, दस्तावेज और 100 डॉलर तक के गिफ्ट पैकेट ही भेजे जा सकेंगे। अन्य सभी प्रकार की डाक सेवाएँ अगले आदेश तक निलंबित रहेंगी।

जिन ग्राहकों ने पहले ही ऐसे पार्सल बुक कर दिए हैं जिन्हें अब भेजा नहीं जा सकता, वे डाक शुल्क की वापसी के लिए आवेदन कर सकते हैं।

डाक विभाग का कहना है कि वह सी.बी.पी. और अमेरिका की डाक सेवा से मिलकर इस समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर रहा है ताकि जल्द ही सभी सेवाएँ फिर से शुरू की जा सकें।

सीबीआई ने अनिल अंबानी के दो परिसरों की तलाशी ली

नयी दिल्ली, 23 अगस्त। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 2929.05 करोड़ रुपये के बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में व्यवसायी अनिल अंबानी के मुंबई स्थित दो ठिकानों पर शनिवार को तलाशी ली।

सीबीआई ने यह कार्रवाई भारतीय स्टेट बैंक की शिकायत के आधार पर की है, जिसने 13 जून को इन संस्थाओं को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत किए जाने के बाद एजेंसी से संपर्क किया था। यह कार्रवाई आरबीआई के धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन पर मास्टर निर्देशों और बैंक के बोर्ड द्वारा अनुमोदित धोखाधड़ी के वर्गीकरण, रिपोर्टिंग और प्रबंधन नीति के अनुसार की गई थी।

- बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में सीबीआई ने शुक्रवार को मुंबई की विशेष अदालत से तलाशी वारन्ट लिया था।

सीबीआई ने शुक्रवार को मुंबई की एक विशेष अदालत से तलाशी वारंट हासिल किया था।

अपने सबसे विश्वास पात्र सर्जियो गोर को भारत में राजदूत नियुक्त किया ट्रंप ने

गोर सिर्फ भारत में राजदूत का काम नहीं देखेगें बल्कि उन्हें समूचे दक्षिणी और मध्य एशिया मामलों का विशेष राजदूत भी बनाया गया है

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 23 अगस्त। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने सर्जियो गोर को भारत में अगला अमेरिकी राजदूत नियुक्त करने के लिए चुना है। गोर लम्बे समय से ट्रंप के सहयोगी हैं और वर्तमान में वाइट हाउस प्रेसिडेंशियल पर्सनल ऑफिस के निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से यह घोषणा जारी, और कहा वह जिसमें उन्होंने गोर को एक ''विश्वसनीय सहयोगी'' बताया जो कई वर्षों से मेरे साथ रहे हैं।

ट्रंप ने कहा कि 38 वर्षीय गोर को दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए विशेष दूत के रूप में भी काम करेंगे, जिससे उनके अधिकार राजदूत पद से आगे, एक व्यापक क्षेत्रीय स्तर तक बढ़ जाएंगे। यह नामांकन ऐसे समय में आया है जब वॉशिंगटन और नई दिल्ली के बीच व्यापार और शुल्क को लेकर तनाव जारी है।

अपनी घोषणा में ट्रंप ने गोर की प्रशासन में भूमिका की प्रशंसा की और उन्हें संघीय विभागों और एजेंसियों में लगभग 4,000 अधिकारियों की नियुक्ति को ''रिकॉर्ड समय'' में संपन्न कराने का श्रेय दिया। राष्ट्रपति के अनुसार, अब इन पदों में से 95 प्रतिशत से अधिक भरे जा चुके हैं। सीनेट द्वारा नियुक्ति पुष्टि होने तक गोर अपने वर्तमान पद पर बने रहेंगे।

- ट्रंप ने कहा, यह जरूरी है कि विश्व के इस सर्वाधिक आबादी वाले क्षेत्र में मैं किसी ऐसे व्यक्ति को लाऊं जिस पर मैं पूरा भरोसा कर सकूं, कि वह मेरा ऐजेंडा लागू कर सकता है। कहा जा रहा है कि इससे ट्रंप भारत पर पूरी नज़र रख सकेगें।
- गोर की नियुक्ति की अभी सीनेट से पुष्टि होना बाकी है। वे भारत में एरिक गार्सेटी की जगह लेंगे जो मई 2023 से जनवरी 2025 तक भारत में राजदूत थे।
- जहां तक भारत की बात है, यहाँ हमेशा ऐसे अमेरिकन राजदूत को ज्यादा स्वीकृति दी गई है जो राष्ट्रपति का बेहद करीबी रहा हो, ऐसे में संदेश सीधे राष्ट्रपति तक पहुंचने की संभावना बढ़ जाती है।

ट्रंप ने आगे कहा, ''दुनिया के सबसे अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्र के लिए यह जरूरी है कि मेरे पास कोई ऐसा व्यक्ति हो जिस पर मैं पूरी तरह से भरोसा कर सकूं, जो मेरे एजेंडा को आगे बढ़ाए और अमेरिका को फिर से महान बनाए। सर्जियो एक शानदार राजदूत बनेंगे। बधाई हो, सर्जियो!''

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वांस ने भी इस चयन का समर्थन किया और सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि गोर हमारे देश के लिए भारत में एक शानदार राजदूत साबित होंगे।

यदि सीनेट द्वारा पुष्टि हो जाती है, तो गोर एरिक गार्सेटी का स्थान लेंगे, जिन्होंने मई 2023 से जनवरी 2025 तक भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में कार्य किया था। यह पद कूटनीतिक रूप से काफी अहम माना जाता है, क्योंकि यह भारत की क्षेत्रीय और वैश्विक भूमिका के बढ़ते महत्व को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रियंका, अखिलेश, स्टालिन राहुल की यात्रा में शामिल होंगे

नयी दिल्ली 23 अगस्त। कांग्रेस ने कहा है कि पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की वोट चोरी के खिलाफ बिहार में चल रही वोटर अधिकार यात्रा में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ ही इंडिया गठबंधन के अखिलेश यादव, एम के स्टालिन तथा हेमंत सोरेन जैसे प्रमुख नेता भी शामिल होंगे। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने शनिवार को यहां बताया कि गांधी की यात्रा में पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन,

- कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह भी बताया कि कांग्रेस के मुख्यमंत्री भी यात्रा में शामिल होंगे।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तथा समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी तथा हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू सहित कई प्रमुख नेता शामिल होंगे। गौरतलब है कि गांधी की 17 अगस्त को बिहार के सासाराम में शुरु हुई वोटर अधिकार यात्रा 20 जिलों को कवर करते हुए 1300 किमी चलने के बाद एक सितंबर को पटना में समाप्त होगी।

इलैक्ट्रॉनिक फार्मास्युटिकल व सोलर एनर्जी के सामान व स्पेयर पार्ट्स के लिए भारत चीन पर काफी निर्भर है

दूसरी ओर 2020 में गलवान घाटी पर संघर्ष के बाद, भारत में चीन को संशय की दृष्टि से देखा जाता है

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 23 अगस्त। भारत की विदेश नीति अब एक विरोधाभास से परिभाषित होती जा रही है। एक ओर, इसकी राजनीतिक और सुरक्षा रणनीति इसे अमेरिका के करीब धकेलती है। तो दूसरी ओर, इसकी आर्थिक मजबूरियाँ और बहुपक्षीय मंचों पर इसकी स्थिति अक्सर इसे चीन के साथ सामरिक मेलजोल में ला देती हैं। यह दोहरी रणनीति कोई भ्रम नहीं, बल्कि रणनीतिक स्वायत्तता की भारत की सोच-समझकर अपनाई गई नीति है। लेकिन इससे वॉशिंगटन और बीजिंग दोनों के साथ तनाव भी उत्पन्न होता है, जिससे दिल्ली को एक नाज़ुक संतुलन बनाए रखना पड़ता है।

भारत और अमेरिका के बीच बढ़ती साझेदारी का राजनीतिक और रणनीतिक तर्क सीधा है। वर्ष 2020 में गलवान घाटी की घातक झड़प के बाद से भारत ने चीन को अपने दीर्घकालिक प्रमुख प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखना शुरू किया। दोनों देश अब भी वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सीमा तनाव में उलझे हुए हैं, जहाँ सैनिक जमावड़े और आमने-सामने की स्थितियाँ बनी हुई हैं। भारत में जनमत और राजनीतिक दृष्टिकोण चीन के खिलाफ काफी सख्त हो गया है, और चीन को भारत की संप्रभुता के लिए मुख्य खतरे के रूप में देखा जा रहा है।

इस खतरे का संतुलन साधने के लिए दिल्ली ने अमेरिका के साथ रक्षा और सुरक्षा सहयोग तेज कर दिया है। क्वाड समूह-अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत-इंडो-पैसिफिक रणनीति का एक केंद्रीय स्तंभ बन चुका है। मालाबार जैसे नौसेना अभ्यास, खुफिया साझेदारी समझौते और तकनीकी हस्तांतरण सौदे भारत को एशिया में अमेरिका के सुरक्षा साझेदार के रूप में स्थापित करते हैं।

- पर, अमेरिका की टैरिफ नीति में भारत विरोधी रूझान, भारत को चीन के नज़दीक धकेलता है।
- अतः भारत व चीन का रिश्ता, आपसी विश्वास पर आधारित नहीं, बल्कि आपसी राजनीतिक आवश्यकता के कारण पनपने को मजबूर है।
- इसी प्रकार भारत चीन द्वारा सीमा पर अपनाये गये आक्रामक रवैये से चौकन्ना होकर, अमेरिका के नज़दीक जाने की सोचने लगता है, क्वाड की संघीय सदस्यता (यू.एस., जापान, ऑस्ट्रेलिया व भारत को मैत्री ग्रुप की मैम्बरशिप), नौसैनिक अभ्यास, इन्टैलिजेन्स शेयरिंग के समझौते व टैक्नॉलोजी ट्रांसफर के अनुबन्धन, इसी प्रयास के नमूने हैं।
- इन दो विरोधाभासी दबावों के बीच भारत का अपनी कूटनीतिक नाव खेना, काफी नाज़ुक संतुलन का काम है।

राजनीतिक रूप से, दोनों देश अपनी साझेदारी को लोकतंत्रों के मेल के रूप में प्रस्तुत करते हैं, भले ही दिल्ली घरेलू शासन पर उपदेश को अस्वीकार करता है। वहीं, अमेरिका भारत को अब चीन के साथ अपनी व्यापक प्रतिस्पर्धा में एक निर्णायक खिलाड़ी के रूप में देखने लगा है।

फिर भी, जहाँ राजनीति भारत को पश्चिम की ओर ले जाती है, वहीं अर्थव्यवस्था चीन के साथ मेल के लिए मजबूर करती है।

चीन भारत का सबसे बड़ा आयात स्त्रोत है, जो इलेक्ट्रॉनिक्स और दवाइयों से लेकर सौर ऊर्जा तक के उद्योगों के लिए आवश्यक घटक प्रदान करता है। भले ही भारत आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में प्रयासरत है, लेकिन वह फिलहाल और निकट भविष्य में चीनी घटकों से पूरी तरह अलग नहीं हो सकता। बहुपक्षीय स्तर पर, भारत अक्सर ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन में चीन के रुख के पक्ष में होता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी के खिलाफ टिप्पणी, तेजस्वी पर मुकदमा

ललितपुर 23 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जिलाध्यक्ष हरिश्चन्द्र रावत ने बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पर एफआईआर दर्ज कराई है।

- बिहार से भाजपा जिला अध्यक्ष ने यह मुकदमा दर्ज किया जिसमें आरोप है कि तेजस्वी ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की है।

कोतवाली तालबेहट अंतर्गत मुहल्ला सरफयाना निवासी भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत ने कोतवाली तालबेहट में एफआईआर दर्ज कराई, जिसमें बताया गया कि पीएम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

करौली क्षेत्र में बारिश से हालात बिगड़े, पांचना बांध के चार गेट खोले

करौली और मध्य प्रदेश को जोड़ने वाली चंबल नदी भी पूरे उफान पर है

करौली के सबसे बड़े पांचना बांध के चार गेट खोलकर लगातार पानी की निकासी की जा रही है।

- पांचना बांध के चार गेट खोलकर 26233 क्यूसेक पानी की निकासी की गई

करौली, (निसं)। करौली जिला मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में शुक्रवार रात्रि से हो रही झमाझम बारिश से हालत बिगड़ते नजर आ रहे हैं। वहीं करौली जिले के सबसे बड़े पांचना बांध के चार गेट खोलकर लगातार पानी की निकासी की जा रही है। वहीं क्षेत्र में हो रही लगातार बरसात के चलते करौली और मध्य प्रदेश को जोड़ने वाली चंबल नदी भी इस समय पूरे उफान पर है। चंबल नदी के खतरे का निशान 165 मीटर है और लगातार पानी की आवक के चलते इस समय चंबल नदी की स्थिति 164 मीटर पर पहुंच गई है। जिसको देखते हुए करौली जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सैना, पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल सहित जल संसाधन विभाग के अधिकारी पुरी निगरानी बनाए हुए हैं।

करौली जिला मुख्यालय पर शुक्रवार और शनिवार को दोपहर तक घने काले बादल छाए रहे, लेकिन शनिवार को दोपहर आधा घंटा जमकर वर्षा होने से सड़कों पर पानी बह निकला। व्करौली जिले के सबसे बड़े पांचना बांध में भारी पानी की आवक के चलते शनिवार को चार गेट खोलकर 26233 क्यूसेक पानी की निकासी शुरू की गई। इस मानसून सीजन में पहली बार एक साथ चार गेट खोले गए हैं। जल संसाधन विभाग ने डाउनस्ट्रीम क्षेत्र में अलर्ट जारी करते हुए लोगों से सावधानी बरतने और मवेशी नहीं भेजने की अपील की है। जानकारी के अनुसार गेट नंबर 2, 3, 4 और 6 को डेढ़-डेढ़ मीटर तक खोला गया है। बांध का जल स्तर 258.30 मीटर तक पहुंच गया है, जबकि बांध में वर्तमान में 26,233 क्यूसेक पानी की आवक दर्ज की जा रही है। इससे पहले 11 अगस्त को जल स्तर 257.95 मीटर होने पर गेट बंद कर दिए गए थे। इस मानसून सीजन में अब तक सात बार बांध के गेट खोले जा चुके हैं। शुक्रवार की रात करीब 11:30 बजे बांध के दो गेट खोल पानी की निकासी शुरू की थी, लेकिन बाद में पानी की आवक बढ़ने पर रात करीब 2:00 बजे तीसरा गेट भी खोल दिया था और प्रात:करीब 5:30 बजे गेटों की संख्या बढ़ाकर चार कर दी तथा मात्रा बढ़ाकर 26 हजार क्यूसेक की गई। बांध की स्थिति पर अधिशासी अभियंता सुशील कुमार गुप्ता, सहायक अभियंता वीर सिंह और कनिष्ठ अभियंता भवानी सिंह लगातार नजर रखे हुए हैं।

अधिशासी अभियंता ने बताया कि बीते 24 घंटों में जिले में कई स्थानों पर भारी बारिश दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि कालीसिल बांध पर 8 फीट से अधिक, मामचारी बांध पर 1 फीट 4 इंच और नींदर बांध पर 1 फीट 5 इंच की चादर चल रही है।

इसके अलावा सपोटरा-कुडगांव सड़क मार्ग पर स्थित लूलोज नदी की पुलिया पर तेज-बहाव से 4 फीट से अधिक पानी बह रहा था। पुलिया पार करते समय बस का पहिया नीचे उतरने से बस पलट गई इस दौरान बस में बैठे लोगों की चीख पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर बस में सवार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला और ट्रैक्टर जेसीबी की मदद से बस को पानी से बाहर निकाल लिया। वहीं क्षेत्र में गोरे हर बनास एवं मोरल नदी भी उफान पर चल रही है। इसके अलावा लागरा क्षेत्र के बुगडार गांव का युवक वीर सिंह पुत्र राम सिंह अपना स्वास्थ्य खराब होने के कारण करौली की और आ रहा था। रास्ते में पड़ने वाली पुलिया पार करते समय बहते पानी में फिसल गया जिसकी सूचना मिलते ही थाना अधिकारी वासुदेव बासवाल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से युवक की तलाश की जा रही है।

टोंक जिले में कई जगह बाढ़ के हालात

टोंक जिले में हो रही तेज बारिश से कई जगह जलभराव के हालात बन गए।

- उनियारा से गलवा बांध के पास चार परिवारों के 22 सदस्यों को रेस्क्यू किया, कई इलाकों के लगभग 50 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया
- पीपलू क्षेत्र में एक अध्यापक व उसकी बाइक बही, अध्यापक ने जैसे-तेसे अपनी जान बचाई
- पीपलू क्षेत्र के मोहिनी से लावा मार्ग रपटे पर तेज बहाव के चलते पशुपालक की 30-40 भेड़ें बह गई

टोंक, (निसं)। टोंक जिले में दो दिन से हो रही तेज बारिश से बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। शनिवार को कई जगह हालात जलभराव के बन गए। वनस्थली गांव में तीन से चार फीट पानी घरों में भर गया तथा स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है।

एसडीआरएफ व सिविल डिफेंस की टीमें जलभराव में फंसे लोगों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर छोड़ रही है। इसी प्रकार उनियारा से गलवा बांध के पास चार परिवारों के 22 सदस्यों को रेस्क्यू किया गया। वहीं इलाकों के लगभग 50 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। पीपलू क्षेत्र में एक अध्यापक व उसकी बाइक बह गई है। अध्यापक ने जैसे-तेसे करके अपनी जान बचाई। इसी क्रम में शनिवार को बीसलपुर बांध के चार गेट खोले गए हैं, ऐसे में वर्तमान में छह गेटों से दो-दो मीटर खोलकर प्रति सैकेंड 72120 क्यूसेक पानी की निकासी बनास नदी में की जा रही है। नासिरदा और उसके आसपास के इलाकों में पांच इंच बारिश हुई है, जिसके चलते थाना परिसर में भी पानी भर गया है तथा सभी नदी-नाले उफान पर है, सड़कों पर पानी बह रहा है। वहीं हमीरपुर में भी बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। इसी प्रकार पीपलू क्षेत्र के मोहिनी से लावा मार्ग रपटे पर पशुपालक अपनी भेड़ों को पानी से निकलने की कोशिश कर रहा था, तभी तेज बहाव के चलते 30-40 भेड़ें पानी में बह गई।

अलवर में तेज बारिश, सिलीसेढ़ बांध ओवरफ्लो हुआ

अलवर, (निसं)। अलवर में तेज बारिश ने शनिवार को अलवर प्रशासन और नगर परिषद की पोल खोल कर रख दी है। पहली बार बस स्टैंड रोड पर इतना पानी जमा हो गया कि लोग तैरने लगे। शहर की दुकानों में पानी भर गया।

- ग्राम कोटा खुर्द में पुराने मकान का बरामदा ढह गया, हादसे में नीचे सो रहे परिवार के सात सदस्य दबकर घायल हो गए
- पहली बार बस स्टैंड रोड पर इतना पानी जमा हो गया कि लोग तैरने लगे, दुकानों में भी पानी भर गया

रामगढ़ उपखंड के ग्राम कोटा खुर्द में पुराने मकान का बरामदा ढह गया।

जानकारी के अनुसार अलवर में शनिवार शाम को जोरदार बारिश हुई। बस स्टैंड के बाहर मुख्य रोड पर तीन फीट तक पानी भर गया। एक युवक तो रोड पर भरे पानी में तैराकी करने लगा। पानी में आस-पास दुकानों के आगे खड़े वाहन डूब गए। पुरानी कॉलोनियों में भारी भर गया। ये ही हालात अंबेडकर सर्किल, जिला हॉस्पिटल और पुलिस कंट्रोल रूम के सामने भी देखे गए। कई वाहन पानी में बंद हो गए। लंबा जाम लगने से भी वाहन चालक परेशान हुए। वहीं दो दिन की बरसात से सिलीसेढ़ बांध ओवरफ्लो हो गया। दो इंच से अधिक ऊपरा चल रही है। अब इसके बढ़ने के आसार हैं। दिन में भी रुक-रुककर कई बार बारिश हुई है, लेकिन शाम के समय करीब 30 मिनट तक अच्छी बारिश होने से शहर में पानी भर गया। अलवर में तेज बारिश के चलते रामगढ़ उपखंड के ग्राम कोटा खुर्द में एक हादसा हो गया। गांव में पुराने मकान पर निर्माण कार्य के दौरान अचानक बरामदा ढह गया। हादसे में नीचे सो रहे एक ही परिवार के सात सदस्य दब गए और घायल हो गए। हादसे में पीड़ित परिवार का बेटा, बहू, पोता और पोती समेत सात लोग चोटिल हुए। सभी घायलों को तत्काल ग्रामीणों की मदद से रामगढ़ अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार दिया गया। गंभीर रूप से घायल एक बालिका को बेहतर इलाज के लिए अलवर रेफर कर दिया गया।

गंगापुर सिटी में बारिश, सड़कों पर पानी भरा

गंगापुर सिटी, (निसं)। प्रदेश में मानसून ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। शहर में बारिश के कारण जगह-जगह सड़कों पर पानी भर गया। शनिवार को भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की विदाई जोरदार बारिश के साथ हुई। दोपहर करीब एक बजे गरज के साथ बारिश शुरू हुई। तीन सप्ताह से कमजोर चल रहे मानसून की इस वापसी से शहर के कई हिस्सों में जलभराव हो गया। उपखण्ड क्षेत्र में पिछले 24 घंटें में 80 मिमी बारिश हो चुकी है। इलाके में शुक्रवार देर रात से बारिश का दौर शुरू हुआ जो शनिवार तक जारी रहा।

लगातार बारिश से निचली बस्तियां जलमग्न हो गई। शनिवार की बरसात में मिनी सचिवालय, पावर हाउस, एडीएम बंगले में पानी भर गया। बारिश के दौरान स्कूली बच्चे घर लौटते समय भीगते नजर आए। तेज हवाओं के कारण मौसम में ठंडक बढ़ी और तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। शनिवार को दो घंटे से अधिक समय तक हुई बारिश से नया बाजार, नेहरू बाजार, कचहरी रोड की कई दुकानों में पानी घुस गया, जिससे दुकानदारों का लाखों रूपए का सामान खराब हो गया। कई दुपहिया वाहनों में पानी चले जाने से वाहनों का घसीटना पड़ा। वहीं कचहरी रोड पर लग रही पेड पोधों की दुकान पानी के तेज बहाव में बह गई, जिससे नर्सरी संचालक का हजारो रूपए का नुकसान हो गया।

गंगापुर सिटी में कचहरी रोड व फव्वारा चौक पर पानी भर गया।

बीकानेर में बारिश

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर में हुई मध्यम दर्जे की बारिश ने रामदेवरा पैदल जा रहे पदयात्रियों को रुकने के लिए मजबूर कर दिया, वहीं देशनोक में खेजड़ी पूजने जा रही महिलाओं को दो-दो फीट पानी से भरी सड़कों से गुजरना पड़ा। बारिश का दौर अभी जारी है और मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी कर दिया है। उधर, शहर में जर्जर मकानों को लेकर नगर निगम ने सौ से ज्यादा घरों पर बैनर टांग दिए हैं।

बीकानेर शहर में सुबह से बादलवाही को देखते हुए बारिश की उम्मीद की जा रही थी, इस बीच लूणकरनसर में बारिश शुरू हो गई। लूणकरनसर के मुख्य मार्गों पर बारिश के कारण भारी वाहनों के पहिए भी एक बार थम गए। तेज बारिश से मुख्य मार्ग पर पानी एकत्र हो गया। देशनोक में तेज बारिश के कारण पालिका कार्यालय के पास ही भारी मात्रा में पानी एकत्र हो गया। करीब दो फीट पानी से होकर यहां से महिलाओं को निकलना पड़ा। खेजड़ी पेड़ की पूजा के लिए जा रही महिलाओं को पानी से भरी सड़क पार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। देशनोक में जगह-जगह पानी एकत्र होने से घरों को भी नुकसान हो रहा है। बीकानेर शहर में करीब आधा घंटे की रिमझिम बारिश ने ही मौसम सुहाना कर दिया। एक बार तो झमाझम बारिश की उम्मीद बंधी थी लेकिन कुछ देर की रिमझिम बारिश के बाद मौसम सुहाना हो गया। फिलहाल बरसात का सिलसिला थम गया है लेकिन आसमान में बादल कभी भी तेज बारिश कर सकते हैं। मौसम विभाग ने बीकानेर के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। उम्मीद की जा रही है कि शाम तक बारिश के एक-दो राउंड और हो सकते हैं। पिछले कई दिनों से बारिश को तरस रहे बीकानेर के किसान भी तेज बरसात का इंतजार कर रहे हैं।

जनुभाई के बताये रास्ते एवं उनके सपनों को पूरा करने का संकल्प लें : प्रो. सारंगदेवोत

राजस्थान विद्यापीठ के 89वें स्थापना दिवस पर पंडित जनार्दराय नागर की प्रतिमा का लोकार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान विद्यापीठ के 89वें स्थापना दिवस पर श्रमजीवी महाविद्यालय परिसर में कुलाधिपति भंवरलाल गुर्जर, कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, पीठ स्थविर कौशल नागदा, पूर्व कुलपति प्रो. दिव्यप्रभा नागर, प्रफुल्ल नागर ने संस्थापक मनीषी पंडित जनार्दराय नागर की प्रतिमा का लोकार्पण कर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धाभाव के साथ उन्हें नमन किया। अनावरण पंडित लोकेश पालीवाल के नेतृत्व में 11 पंडितों ने मंत्रोच्चारण के साथ आयोजन किया गया।

प्रारंभ में कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने कहा कि पंडित जनार्दन राय नागर, जिन्हें जनू भाई के नाम से भी जाना जाता है, ने अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को शिक्षित करने के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनका संघर्ष, मानवीय दृष्टिकोण, सामाजिक और सामुदायिक सरोकार आज भी प्रेरणा स्त्रोत हैं। उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोपरि मानते हुए शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया। प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि आजादी के 10 वर्ष पूर्व 1937 में जो पौधा रोपित किया था वह आज वटवृक्ष बन गया है। अब इसकी हिफाजत करना, इसकी गरिमा बनाये रखना व इसकी और अधिक उन्नति करने का दायित्व विद्यापीठ के सभी कार्यकर्ताओं का है।

राजस्थान विद्यापीठ के स्थापना दिवस कार्यक्रम में प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत, पीठ स्थविर कौशल नागदा, पूर्व कुलपति प्रो. दिव्यप्रभा नागर, प्रफुल्ल नागर आदि मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि जनुभाई की प्रतिमा को देखने से हमें एक नई उर्जा मिलती है, एक नया संदेश मिलता है और जब संकट में होते है तो उस समय हमें ऐसा लगता है कि जनुभाई हमारे साथ हैं। उन्होंने कहा कि आज हमें सकल्प के साथ विद्यापीठ का आत्मसात करने की जरूरत है। जब व्यक्ति, समाज और राष्ट्र कठिनाईयों से जूझता है और इसे अवसर में बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आज संस्थान में 200 से अधिक पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं, सभी कोर्स यूजीसी एवं सम्बंधित काउंसिल से मान्यता प्राप्त है। तीन रूपये से शुरू इस संस्थान का वर्तमान में 70 करोड़ का वार्षिक बजट है जो अपने आप में एक कीर्तिमान स्थापित करता है।

कुलाधिपति भंवरलाल गुर्जर ने कहा कि यह दिवस बीतें वर्षो में किए कार्यो का मूल्यांकन तथा नवीन दायित्व बोध का है। नई पीढ़ी से मेवाड़ के ग्रामीण समुदाय के काम हाथ मे लेते हुए जनुभाई के सपनों का पूरा करने की बात कही। आयोजित समारोह से पूर्व विद्यापीठ के प्रतापनगर परिसर में स्थापित जनुभाई की आदमकद प्रतिमा पर विद्यापीठ के तीनों परिसर के कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

इस अवसर पर पीठ स्थविर डॉ. कौशल नागदा, कुलाधिपति भंवर लाल गुर्जर, कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने विद्यापीठ के झण्डे का झण्डारोहण कर संस्थान गीत का गायन किया। पीठ स्थविर डॉ. कौशल नागदा ने सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर विद्यापीठ को ओर अधिक उंचाईयों पर ले जाने का संकल्प दिलाया। मुख्य अतिथि डॉ. प्रफुल्ल नागर ने कहा कि पंडित नागर की शिक्षा के प्रति दूरदृष्टि को आगे बढ़ाते हुए यदि वर्तमान और भावी पीढ़ी शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक प्रयास करें, तो उनके विचार चिरकाल तक जीवित रहेंगे। पूर्व कुलपति प्रो. दिव्य प्रभा नगर ने कहा कि पंडित नगर का व्यक्तित्व शिक्षा, समाज और राष्ट्र की उन्नति के लिए समर्पित था। संचालन रजिस्ट्रार डॉ. तरूण श्रीमाली, डॉ. हेमेन्द्र चौधरी, आभार प्रो. मलय पानेरी ने जताया।

इस अवसर पर शिक्षाविद् प्रो. एमपी शर्मा, प्रो. पीआर व्यास, डॉ. पंकज चैधरी, प्रो. शशि चितौडा, डॉ. युवराज सिंह राठौड़, डॉ. भवानीपाल सिंह, पुरूषोतम शर्मा, योगेश सक्सेना, शर्वांश नागर, सक्सेना, डॉ. कला मुणेत, प्रो. सरोज गर्ग, प्रो. जीवन सिंह खरकवाल, प्रो. गजेन्द्र माथुर, डॉ. एसबी नागर, डॉ. मंजु मांडोत, डॉ. बबीता रसीद, डॉ. शैलेन्द्र मेहता, डॉ. धमेन्द्र राजौरा, डॉ. दिलीप सिंह चौहान, डॉ. सपना श्रीमाली, डॉ. हीना खान, डॉ. नीरू राठौड़, डॉ. सुनिता मुर्डिया, डॉ. अवनीश नागर, डॉ. राजन सुद, डॉ. अपर्णा श्रीवास्तव, डॉ. अलक नंदा, डॉ. बलिदान जैन, डॉ. ओम पारीख, डॉ. विजय दलाल, उदय भान सिंह सहित विद्यापीठ के डीन, डायरेक्टर एवं शहर के गणमान्य नागरिकों ने जनुभाई की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

सेना भर्ती में दौड़ते युवक को हार्ट अटैक आया, मौत

फिनिशिंग लाइन से पहले बेहोश होकर गिर गया था, हॉस्पिटल में दम तोड़ा

- श्रीडूंगरगढ़ का रहने वाला मुन्नीराम मंडोर के सीमा सुरक्षा बल के कैंपस पहुंचा था

बीकानेर, (निसं)। जोधपुर में सेना भर्ती में दौड़ते हुए 22 साल के युवक को साइलेंट अटैक आ गया। इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर) का रहने वाला मुन्नीराम 21 अगस्त को मंडोर के सीमा सुरक्षा बल के कैंपस में पहुंचा था। हादसे के बाद उसे मथुरा दास माथुर हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। शुक्रवार (22 अगस्त) सुबह चार बजे उसकी मौत हो गई।

मुन्नीराम के भाई रामनिवास ने बताया कि दौड़ के दौरान वो पहले फिनिशिंग लाइन के पास गिर गया। इसके बाद फिर दौड़ने की कोशिश की, लेकिन बेहोश होकर गिर गया। इसके बाद वह उठ नहीं पाया। उसे पहले मंडोर के हॉस्पिटल ले जाया गया था। वहां से उसे एमडीएम में रेफर किया गया था, जहां उसकी 22 अगस्त को मौत हो गई। सेना भर्ती में युवक को हार्टअटैक की घटना ने सभी को चौंकाया है। मुन्नीराम को जब एमडीएम लाया गया था तो उसकी सभी जांच हुई थी। उसके शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं थे। किसी दूसरी बीमारी के भी कोई सिम्पटम्स नहीं नजर आए, इसलिए आशंका है कि उसे साइलेंट अटैक आया था। रामनिवास ने बताया कि पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट आने के बाद वे आगे की कार्रवाई करेंगे। परिवार के अनुसार बीकानेर के कल्याणसर का रहने वाला मुन्नीराम बीकानेर में कॉम्पिटिशन एग्जाम के लिए कोचिंग कर रहा था। उसके पिता का देहांत हो चुका है। उसके परिवार में मां और दो बड़े भाई हैं।

होटल से गिरने पर युवक की मौत : उदयपुर शहर के अम्बामाता थाना क्षैत्र बड़ी में निर्माणाधीन होटल की दूसरी मंजिल से गिरने पर युवक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र में बड़ी में निर्माणाधीन होटल की दूसरी मंजिल से गिरने पर स्वामीनगर टेकरी रोड हिरणमगरी निवासी पुरूषोतम गोराणा की मौत हो गई। सूचना मिलने पर एएसआई नरेन्द्रसिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। वहीं गत दिनों शहर के हिरणमगरी थाना क्षेत्र पावर हाउस क्रोसिंग के समीप बाइक की टक्कर से बाइक चालक शांतिनगर (70) सविना निवासी चुन्नीलाल पुत्र गिरधारीलाल गलरानी गंभीर घायल हो गया, जिसे चिकित्सालय में भर्ती करवाया जहां उसकी मौत हो गई।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

वर्ष 2026 हेतु ऑनलाईन परीक्षा आवेदन-पत्र भरने की तिथियों में संशोधन की सूचना

वर्ष 2026 की परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले समस्त नियमित एवं स्वयंपाठी परीक्षार्थियों के ऑनलाईन परीक्षा आवेदन-पत्र भरने एवं शुल्क जमा कराने की अन्तिम तिथियों में निम्नानुसार संशोधन किया गया हैं:-

परीक्षा शुल्क	आवेदन पत्र भरने की आरम्भ तिथि	आवेदन पत्र भरने एवं चालान मुद्रित करने की अंतिम तिथि	परीक्षा शुल्क बैंक में जमा कराने की अंतिम तिथि	आवेदन पत्र एवं चालान नोडल केन्द्र पर जमा कराने की अंतिम तिथि
सामान्य परीक्षा शुल्क से	24.07.2025	03.09.2025	10.09.2025	18.09.2025
एक अतिरिक्त परीक्षा शुल्क सहित	04.09.2025	10.09.2025	15.09.2025	18.09.2025
असाधारण परीक्षा शुल्क (केवल स्वयंपाठी हेतु) जिला मुख्यालयों पर	11.09.2025	25.09.2025	04.10.2025	सीधे बोर्ड कार्यालय में

1. आवेदन पत्र भरने से संबंधित अन्य प्रक्रिया/शुल्क पूर्व की भांति यथावत रहेंगे।
2. आवश्यक निर्देश बोर्ड की वेबसाइट https://rajeduboard.rajasthan.gov.in पर देखे।

सचिव

सार-समाचार

अध्यक्ष शर्मा का स्वागत

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। राज. ब्राह्मण महासभा ने राधेश्याम शर्मा बड़गांव को गुर्जर गौड़ समाज का प्रांतीय अध्यक्ष चुने जाने पर स्वागत अभिनन्दन किया। संरक्षक चंद्रशेखर शर्मा के नेतृत्व में सदस्यों ने मुख्य चौराहे पर नवनियुक्त अध्यक्ष को साफा बंधवाकर हर्ष व्यक्त किया। अयोध्या रामलला सेवा समिति अध्यक्ष आचार्य राजानंद शास्त्री अतिथि के रूप में मौजूद रहे। जिलामंत्री सुशील दाधीच, उपखंड मंत्री बालमुकुंद शर्मा, युवाध्यक्ष राजेश शर्मा, महिला अध्यक्ष पुष्पा शर्मा, कोषाध्यक्ष श्यामसुंदर शर्मा, रामचंद्र रिणवा, प्रेमसागर शर्मा, मनमोहन शर्मा, राजेंद्र सारस्वत, पीयूष पाराशर, ओमप्रकाश तिवाड़ी, मदनलाल खांडल, महेश शर्मा, रमाकांत शर्मा, सत्यनारायण पंचगौड़, राजेंद्र हटीला, ललित पाराशर, सत्यनारायण शर्मा, मनोज शर्मा, केशव चतुर्वेदी, ललित पाराशर, मनोज दाधीच, मनोज शर्मा, विनोद पाराशर ने इनका स्वागत किया।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया

अजमेर, (कासं)। राजकीय जवाहर उच्च माध्यमिक विद्यालय में यूनिट 11 राज बी एनसीसी के कमान अधिकारी कर्नल अजय दाधीच के निर्देशो की पालना में सामाजिक एवं सामुदायिक विकास कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया गया। जिसमें द्वितीय एनसीसी अधिकारी सुरेंद्र सिंह राठौड़ ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के महत्व और आयोजन के बारे में जानकारी दी गई यूनिट से हवलदार कृष्णा सिंह ने कैडेट को विज्ञान के बारे में समझाया, प्रधानाचार्य रश्मि शर्मा ने कैडेट को नए-नए अन्वेषण की जानकारी दी और शशि कला राठी उपप्राचार्य ने भी कैडेट को संबोधित किया। राठौड़ ने बताया कि कैडेट की 'जय विज्ञान जय अनुसंधान' विषय पर निबंध व पोस्टर प्रतियोगिताएं भी आयोजित कराई गई। जिसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले कैडेट्स को पुरस्कारों का वितरण भी किया गया

सम्मान समारोह आज

अजमेर, (कासं)।मुस्लिम वेलफेयर एंड एजुकेशन समिति संस्था के बैनर तले मुस्लिम समाज की प्रतिभाओं को सम्मान समारोह कार्यक्रम रविवार को जेएलएन मेडिकल कॉलेज के डॉ.भीमराव आंबेडकर सभागार में प्रात: 11 बजे से आयोजित किया जाएगा। मुख्य अतिथि रामनिवास मेहता, अध्यक्ष के रूप में एडिशनल एसपी नूर मोहम्मद खान, विशिष्ट अतिथि के रूप में रेलवे अस्पताल के डॉ.इमरान खान, अंजुमन शेखजादगान के सचिव शेखजादा इज़्हार चिश्ती व एसोसिएशन मुस्लिम प्रोफेशनल्स के आमिर इदरीसी और भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाली अंतराष्ट्रीय मुक्केबाज इमरोज़ खान अब्बासी भी शिरकत करेंगे।

गुणीजनों की प्रशंसा जरूर करनी चाहिए : डॉ. राजमती मसा

अजमेर, (कासं)। मणिपुंज सेवा संस्थान में परम पूज्या शताब्दी गौरवान्वित महाश्रमणी गुरु माता महासती श्री पुष्पवती म सा आदि ठाणा 7 के पावन सानिध्य में पर्युषण पर्व का चतुर्थ दिवस गुण ग्राहण का संदेश लेकर आया। धर्म सभा को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तिनी सदगुरुवर्या डॉ. राजमती मसा ने फरमाया सम्यक दृष्टि व्यक्ति विवेक के साथ गुणवान की दिल से प्रशंसा करता है। गुणवान की प्रशंसा करने से अपने गुणों में अभिवृद्धि और अच्छाइयों को फैलाने में मदद मिलती है। ऐसा करने से स्वयं के भाव भी निर्मल बनते हैं। योग्य व्यक्ति की प्रशंसा करने से पुण्य कर्म का बंध होता है, वहीं गुणवान व्यक्ति कभी भी अपनी प्रशंसा की कामना न करे क्योंकि अपनी प्रशंसा सुनने की अभिलाषा से अपना ज्ञान क्षय हो जाता है। दूसरों के गुणों की प्रशंसा करने में आनंद की अनुभूति करने से, गुणों को धारण करने से पापी भी पुण्यशाली बन सकता है। साध्वी डॉ. राज रश्मि मसा ने कल्पसूत्र के माध्यम से वर्धमान कुमार के भगवान महावीर स्वामी तक की यात्रा के दौरान करुणा, दया, सहिष्णुता, समता का वर्णन किया। विपत्तियों में निर्भयता, विषय भोगों में अनासक्ति के लिए मुक्ति की साधना में एकाग्रता, सब जीवों की दुर्गति से रक्षा के लिए मैत्री भाव आज भी अनुकरणीय है। साध्वी डॉ. राज ऋद्धि म सा ने फरमाया सुसंस्कार जीवन की पहली सीढ़ी है। संस्कारित इंसान का चरित्र उज्ज्वल रहता है और वह पुरुषार्थ करने में अठाणीय रहता है। दोपहर 2 बजे पैंसठिया छंद का सामूहिक जाप हुआ, इसके बाद कल्पसूत्र का मूल वाचन हुआ। प्रतिक्रमण में भी श्रावक श्राविकाएं बढ़ चढ़ कर भाग ले रहे हैं।

विशाल भजन संध्या आज

अजमेर (कासं)। पुष्कर रोड, नौसर स्थित प्राचीन बाबा रामदेव मन्दिर में बाबा रामदेव जी महाराज का जन्मोत्सव हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। बाबा रामदेव मन्दिर सेवा समिति के अध्यक्ष ललित अग्रवाल के अनुसार विशाल भजन संध्या का आयोजन रविवार,24 अगस्त को रात्रि 8.15 बजे किया जाएगा। भजन संध्या में विख्यात भजन गायक नरेन्द्र मिश्रा व दीपक शर्मा एवं पार्टी द्वारा सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। बाबा के जन्मोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत बाबा रामदेवजी का भव्य नयनाभिराम श्रृंगार कर सवा ग्यारह किलो का मिल्क केक काट कर श्रद्धालुओं में वितरित किया जाएगा।

समिति की बैठक गुरूवार को

भीलवाड़ा। जिला सड़क सुरक्षा समिति की वर्ष 2025-26 की माह अगस्त की बैठक कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग वृत भीलवाड़ा में गुरूवार 28 अगस्त को आयोजित होगी। यह जानकारी अधीक्षण अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग ने दी।

मालखाना निस्तारण विशेष अभियान

ब्यावर (निसं) मालखाना निस्तारण विशेष अभियान में जिला पुलिस द्वारा बड़ी कार्यवाही की गई। एसपी रतन सिंह आईपीएस के निर्देशन में 07 से 22 अगस्त तक अभियान चलाया गया था। जिले के विभिन्न थानों से कुल 541 जब्त मालों का निस्तारण किया गया। निस्तारण के अंतर्गत आबकारी अधिनियम के 163, जुआ अधिनियम के 53 और मोटर वाहन अधिनियम के 206 प्रकरण शामिल थे।

आक्रोश रैली

ब्यावर (निसं) पूर्व निर्धारित कार्यक्रमानुसार विभिन्न संगठनों द्वारा की ज्वलंत मुद्दों और मांगो को लेकर विशाल आक्रोश रैली निकाई गई और बताया गया की वर्तमान समय में चल रही गतिविधियाँ न केवल अनुचित एवं असंवैधानिक हैं, बल्कि इससे समाज में असंतोष, असुरक्षा और विघटन की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इस गम्भीर परिस्थिति को दृष्टिगत रखते हुए तत्काल संज्ञान लेकर शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण किया जाना न्यायोचित एवं आवश्यक है।

4 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण

- अजमेर शहर खंड प्रथम एवं द्वितीय में पाइपलाइन व अन्य संबंधित कार्यों के अंतर्गत पहाड़गंज में उच्च जलाशय का निर्माण किया गया था

अजमेर, (कासं)। केंद्रीय कृषि मंत्री भागीरथ 'चौधरी' राज्य सरकार के जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी एवं अजमेर दक्षिण विधायक अनीता भदेल द्वारा शनिवार को क्षेत्र में लगभग 4 करोड़ की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण कर शुभारंभ किया गया। जल योजना अजमेर शहर खंड प्रथम एवं द्वितीय में पाइपलाइन व अन्य संबंधित कार्यों के अंतर्गत पहाड़गंज में उच्च जलाशय का निर्माण किया गया था। इसकी लागत 289 लाख आई थी। इसके लोकार्पण से चांदमारी, शिव कॉलोनी, जाटिया कॉलोनी, नाई बस्ती, गुर्जर बस्ती, गुर्जरवास, सिंधुवाड़ी, मलुसर रोड, के के कॉलोनी, सुखाड़िया नगर, खटीक बस्ती, ईसाई मोहल्ला एवं आशागंज रोड के लगभग 22 हजार व्यक्तियों को लाभ मिलेगा। साथ ही अंतिम छोर पर पर्याप्त जल दबाव भी प्राप्त होगा। जेपी नगर टंकी का लोकार्पण- इसी प्रकार मुख्यमंत्री बजट घोषणा के अंतर्गत जेपी नगर में 700 किलोमीटर क्षमता के एक उच्च जलाशय का निर्माण भी किया गया था। इसके निर्माण पर 86.16 लाख की लागत आई। इस उच्च जलाशय को भरने के लिए नाका मदार से आने वाली 300 एमएम व्यास की राइजिंग पाइप लाइन में से नई पाइपलाइन बिछाई गई। इससे माधव कॉलोनी, विनायक नगर एवं एचबी नगर के अंतिम छोर पर भी पर्याप्त जल दबाव पहुंचेगा। इससे क्षेत्र की 7494 जनसंख्या लाभान्वित होगी। नवीन सडक का लोकार्पण- सीता गौशाला से गंगा माता मंदिर तक बनी सड़क का भी लोकार्पण किया गया। इस पर 18.50 लाख की लागत आई थी। इससे स्थानीय निवासियों को सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी। केंद्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि सरकार आमजन को पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य एवं शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए संकल्पबद्ध है। जल जीवन की मूलभूत आवश्यकता है। प्रत्येक परिवार को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रयास कर रही है। इसके परिणाम भी आपको नजर आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सब को साथ लेकर 2014 से विकास की नई यात्रा आरंभ की थी। इसी को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ईआरसीपी रामसेतु परियोजना जैसे बड़े विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के लिए प्रयासरत हैं। डबल इंजन की सरकार से विकास कार्यों को गति मिली है। यह कार्यकर्ताओं के परिश्रम का फल है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने कहा कि किसी समय में अजमेर पेयजल की समस्या से जूझ रहा था। पूर्ववर्ती सरकार में 96 घंटे के अंतराल में पेयजल सप्लाई की जाती थी। उन्होंने संसाधनों का उपयोग करके वर्तमान सरकार ने उचित प्रबंधन से पेयजल सप्लाई का समय घटाकर 48 से 72 घंटे के मध्य कर दिया है। यह सब सिस्टम में सुधार करने से संभव हुआ है।

अजमेर दक्षिण विधायक अनीता भदेल ने कहा कि शनिवार को प्रात: से ही लगातार वर्षा हो रही है। यह इंद्रदेव के द्वारा अमृत वर्षा की जा रही है। क्षेत्र के विकास कार्य को देखकर भगवान इंद्र भी मेहरबान हुए हैं। क्षेत्र की आवश्यकताओं के संबंध में जलदाय मंत्री से मांग भी की गई।

नवनिर्मित इंफ्रास्ट्रक्चर का लोकार्पण

भीलवाड़ा। हिन्दुस्तान जिंक रामपुरा आगुचा माइंस द्वारा अरनिया चैहान ठाम में नव निर्मित इंफ्रास्ट्रक्चर अरनिया, उच्च प्राथमिक विद्यालय अरनिया चैहान में एक कक्षा-कक्ष, प्रार्थना शेड, बालक बालिकाओं हेतु शौचालय एवं गाँव में हैंडपंप का लोकार्पण किया गया। कंपनी के सीएसआर कार्यक्रम समाधान एवं अन्य सामाजिक विकास योजनाओं के तहत शुरू की गई इन पहलों का उद्देश्य स्थानीय समुदायों के जीवन स्तर में सुधार लाना है।

लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि आईबीयू सीईओ रामपुरा आगुचा माइंस रामामुरी, विशिष्ट अतिथि मजदूर संघ के महामंत्री महेन्द्र कुमार सोनी, अध्यक्ष महेन्द्र सिंह चैहान सरपंच इटीडीया महादेव गुर्जर, हेड एडमिन एवं एक्सटर्नल रिलेशंस अभिमन्यु सिंह राणावत, डिप्टी हेड सीएसआर अभय गौतम, सीएसआरओ मोहम्मद अली, हेड सिक्योरिटी अजय शर्मा एवं यूनिट हेड एचआर निकेश दाधीच उपस्थित थे। इस अवसर पर स्थानिय जनप्रतिनिधियों ने सामुदायिक विकास के प्रति हिन्दुस्तान जिंक की प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि कंपनी द्वारा समुदाय के लिये किये जा रहे कार्यो से क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिरण, कौशल विकास एवं कृषि के क्षेत्र में बढ़ावा मिला है। इस अवसर पर राम मुरारी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि हिन्दुस्तान जिंक सतत विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवा और आजीविका सुधार के लिए प्रतिबद्ध है और ये नव-उद्घाटित परियोजनाएँ इस प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं।

प्रत्येक पहल के साथ, शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढाँचे, आजीविका और पर्यावरणीय आवश्यकताओं को एकीकृत तरीके से संबोधित करते हुए हिन्दुस्तान जिंक समग्र सामुदायिक विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। कंपनी का दीर्घकालिक दृष्टिकोण आत्मनिर्भर समुदाय का निर्माण करना है जो इसके व्यवसाय के साथ-साथ विकसित हों, तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए समावेशी और सस्टेनेबल प्रगति सुनिश्चित करें।

एक लाख रूपये शिव महापुराण कथा के लिए भेंट

- श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर के महंत बाबूगिरी जी महाराज के सान्निध्य में 9 से 15 सितंबर तक मेडिसिटी ग्राउंड आज़ाद नगर में होगा

भीलवाड़ा। विश्व विख्यात कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की मेवाड़ भूमि पर भीलवाड़ा में पहली बार श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर के महंत बाबूगिरी जी महाराज के सान्निध्य में 9 से 15 सितंबर तक मेडिसिटी ग्राउंड आज़ाद नगर में होगा। इस कथा को लेकर भीलवाड़ा की लोगों में उत्साह बना हुआ और सभी सहयोग के लिए आगे आ रहे हैं। कथा आयोजन के प्रमुख सहयोग राशि जुटाने के दौरान एक प्रेरणादायी व भावपूर्ण प्रसंग आज़ाद नगर क्षेत्र में कैंसर पीड़ित की पहल से सामने आया। श्री शिव महापुराण कथा समिति के कार्याध्यक्ष राधेश्याम सोमानी ने बताया की कथा आयोजन के लिए आज़ाद नगर क्षेत्र में आयोजन समिति के मंत्री बद्रीलाल सोमानी, रामेश्वर ईनाणी, दिनेश सेन, रोहित गगरानी जन सहयोग के लिए विभिन्न परिवारों से संपर्क कर रहे थे। एक परिवार लांपिया बनेड़ा के नारायण सिंह बल्ला ने कॉल करके कहा की उसकी पत्नी कैंसर पीड़ित है और वह कथा के लिए समर्पण करना चाहते है, आप घर पधारे। समिति के सदस्य वहां पहुंचे तो परिजनों के संग कैंसर पीड़िता श्रीमति भंवर कंवर नारायण सिंह बल्ला ने एक लाख रुपए अपने कर कमलों से समर्पित किए। उन्होंने कहा की मैं नियमित उनकी कथा टीवी पर सुनती हूं और भीलवाड़ा की कथा में मेरा शरीर यहां रहेगा पर मेरा मन पांडाल में रहेगा। इस अवसर पर उनके पुत्र पुत्रियां भी उपस्थित थी। समिति के पदाधिकारियों ने उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की और कथा पांडाल में पधारने का भी आग्रह किया।

रोगियों को परामर्श दिया

भीलवाड़ा। श्री गणेश उत्सव प्रबंध एवं सेवा समिति एवं अन्धता निवारण सोसायटी के संयुक्त तत्वाधान में चार दिवसीय निशुल्क नेत्र जांच एवं परामर्श मोतियाबिंद शिविर आरसी व्यास कॉलोनी स्थित अपना घर वृद्धाश्रम में आयोजित किया गया जिसमें 40 नेत्र रोगियो को परामर्श किया गया इस शिविर में सत्येंद्र तोतला स्नेहलता अर्पित तोतला की सेवाएं सराहनीय रही। समिति मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि डॉ कृष्णा हेडा फेको सर्जन द्वारा नेत्र रोगियों की निशुल्क जांच कर उन सभी जरूरतमंद रोगियों के स्पर्श हॉस्पिटल में ऑपरेशन किए गए रोगियों को निशुल्क दवाइयां व काले चश्मे वितरित किए दंत रोग शिविर में डॉ रोहित बसेर द्वारा दांतों के विभिन्न रोगियों की निशुल्क जांच की।

आज होंगे अजयमेरु शिक्षक संघ के चुनाव

अजमेर, (कासं)। राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) उपशाखा अजयमेरू का वार्षिक चुनाव रविवार को तोपदड़ा स्थित संघ कार्यालय में कराया जाएगा। निर्वाचन कार्य चुनाव अधिकारी सतीश चंद्र शर्मा की देखरेख में होगा, ताकि प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष व पारदर्शी रहे।

मतदान पूर्व ही सभी उम्मीदवार नामांकन दाखिल करेंगे, यदि किसी पद पर एक से अधिक दावेदार सामने आते हैं तो उसी दिन मतदान कराया जाएगा और शाम तक परिणाम घोषित किए जाएंगे। उपशाखा अजयमेरू के अध्यक्ष रोहिताश सारस्वत ने बताया कि चुनाव में 552 पंजीकृत मतदाता अध्यक्ष, मंत्री, कोषाध्यक्ष सहित उपशाखा कार्यकारिणी के सभी पद निर्धारित करेंगे। साथ ही जिला महासमिति सदस्य तथा प्रदेश महासमिति सदस्य के प्रतिनिधियों का भी चयन इसी प्रक्रिया से होगा। चुनाव अधिकारी शर्मा ने बताया कि मतदान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मतपेटियों को सील संबंधित उम्मीदवारों के समक्ष लगेगी और मतगणना भी उनकी मौजूदगी में की जाएगी।

आम सूचना

मेरी दादी चम्पा पत्नी नन्दा उर्फ जगन्नाथ जाति नट निवासी गांव कुचील, तहसील किशनगढ़ जिला अजमेर का स्वर्गवास 4 नवंबर 1990 को हो गया। इनका मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिये तहसीलदार के समक्ष आवेदन किया है, इस संबंध में किसी व्यक्ति को एतराज अथवा आपत्ति हो तो तहसीलदार किशनगढ़ के समक्ष में मय दस्तावेज 7 दिवस के भीतर संपर्क करें।

प्रार्थी-शिवराज नट पुत्र देवीलाल नट

10 सितंबर को दिव्यांग उपकरण वितरण

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। बाबा साहेब स्व रतनलाल पाटनी की पुण्य स्मृति में आर के फाउंडेशन (आर के मार्बल) के आर्थिक सहयोग से आर के कम्युनिटी सेंटर में आयोजित नि:शुल्क दिव्यांग उपकरण चयन शिविर के दौरान 245 दिव्यांगो का चयन किया गया। आर के मार्बल चेयरमैन अशोक कुमार पाटनी ने बाबा साहेब स्व. रतनलाल पाटनी की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन कर शिविर का अवलोकन किया।

भामाशाह अशोक पाटनी ने शिविर का अवलोकन किया।

भामाशाह अशोक पाटनी ने दिव्यांगों से रूबरू होते हुए कहा की कोई भी सुझाव समस्या हो तो बताये, सेवा के जरिये जरुरतमंद को नेत्र ज्योति देने के अलावा दिव्यांग को उपकरण उपलब्ध कराने के लिये सदैव तैयार है। दिव्यांगो ने उपकरण के चयन होने पर पाटनी परिवार के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। लायंस क्लब किशनगढ़ क्लासिक व महावीर विकलांग समिति के संयुक्त तत्वावधान में 10 सितंबर को कम्युनिटी सेंटर में सुबह 9 बजे से दोपहर तीन बजे तक दिव्यांग को नि:शुल्क उपकरण वितरण किया जायेगा। सचिव रमाकांत काबरा ने बताया कि चयन शिविर में कुल 245 दिव्यांग मौजूद रहे, जिसमें से 42 को ट्राईसाइकिल, 33 को व्हील चेयर, 29 को जयपुर फूट, 56 को कैलिपर, 31को बैसाखी, 6 को कृत्रिम हाथ वितरण के लिये चयन किया है।

महावीर विकलांग समिति से अशोक शर्मा द्वारा चयन प्रक्रिया की। संयोजक राजेश पाटनी, सुनील केजरीवाल व निखिल सारडा ने बताया कि 10 सितंबर को जयपुर फुट व कृत्रिम हाथ भी लगा दिये जाएंगे।

आर के मार्बल से सीएसुभाष अगरवाल, महावीर कोठारी, लायंस क्लब पूर्व प्रान्तपाल श्यामसुंदर मंत्री, संभागीय अध्यक्ष हरीश गर्ग, रामप्रकाश शर्मा, डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन रमेश तापड़िया ने शिविर का अवलोकन किया। क्लब अध्यक्ष अमित अगरवाल, निखिल सारडा, मुकेश गोयल, नरेंद्र मेहता, मुकेश जैन, महेंद्र नाहर, संजय गोयल, पदम जैन, अविनाश पाटनी, अजय गंगवाल, राजीव लोढा, पंकज बंसल, मनोज गोधा, पीयूष पाराशर, रोहित मेहता, सुशील बंसल, विनोद पाटनी, चंद्रकांत अजमेरा, जितेंद्र पहाड़िया, अनिल शर्मा, दिनेश गोधा, नितिन मैनावत, मुकेश झालानी, अजय जैन, अशोक गंगवाल, शिल्पी अगरवाल, पिंकी पाटनी, आभा पाटनी, मानसी गोयल,ज्योति सारडा, सूर्यकांता बंसल, गजल आदि ने सहयोग किया।

कार्यालय नगर निगम अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ./भवन/25-26/231 **आपत्ति सूचना** दिनांक: 22/8/2025

श्री आदिल अख्तर पुत्र श्री उमरदीन एवं श्री फिरोज खान पुत्र श्री उमरदीन निवासीगण 524/24 छोटी नागफणी बोराज रोड अजमेर द्वारा एक सम्पति ए.एम.सी. नं. 310 /44 जो वाकै बाबू गढ ऋषि घाटी गंज अजमेर में स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 57.60 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानुसार हैं।

पूर्व : खुली भूमि पश्चिम : खुली भूमि जांबाद सरकारी नाला

उत्तर : आम रास्ता बाबू गढ दक्षिण : आम रास्ता पैसेज

अत: जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति/ संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर - अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता 7 बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा ।

उपायुक्त
नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर पालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राजस्थान

क्रमांक -न.प.बि/निर्माण स्वी./2025/2687 **आम सूचना** दिनांक : 20.8.2025

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान निर्माण हेतु निम्न भवन निर्माण पत्रावली प्राप्त हुई है, अगर किसी को आपत्ति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस मे मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, बाद मियाद, गुजरने पर कोई उज्र / आपत्ति मान्य नहीं होगी।

भवन निर्माण

फाइल नं.	आवेदनकर्ता का नाम	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
86	गोपाल टेलर पुत्र रामचन्द्र टेलर	मुनीम कॉलोनी बिजयनगर भू.सं. 70 का पूर्वी दिशा का हिस्सा	69.67 SQ.MTR	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगर पालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राजस्थान

क्रमांक -न.प.बि/निर्माण स्वी./2025/2543 **आम सूचना** दिनांक : 11.8.2025

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान निर्माण हेतु निम्न भवन निर्माण पत्रावली प्राप्त हुई है, अगर किसी को आपत्ति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस मे मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, बाद मियाद, गुजरने पर कोई उज्र / आपत्ति मान्य नहीं होगी।

भवन निर्माण

फाइल नं.	आवेदनकर्ता का नाम	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
79	शांतादेवी पत्नी पुखराज जैन पुखराज जैन पुत्र मांगीलाल	आबादी आजाद मोहल्ला बिजयनगर मकान नं. 23 भू.सं. प्लाट नं.	132.92 SQ.MTR	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगर पालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राजस्थान

क्रमांक -न.प.बि/निर्माण स्वी./2025/2641 **आम सूचना** दिनांक : 19.8.2025

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान निर्माण हेतु निम्न भवन निर्माण पत्रावली प्राप्त हुई है, अगर किसी को आपत्ति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस मे मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, बाद मियाद, गुजरने पर कोई उज्र / आपत्ति मान्य नहीं होगी।

भवन निर्माण

फाइल नं.	आवेदनकर्ता का नाम	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
81	निहालचन्द मुणोत पुत्र कान्ति लाल मुणोत	वर्धमान सागर बरल द्वितीय बिजयनगर ख.सं. 1206, 1207, 1208 भू.सं. संख्या 16 का दक्षिणी हिस्सा प्रा.नं. 16-ए	82.49 SQ.MTR	आवासीय
82	निहालचन्द मुणोत पुत्र कान्ति लाल मुणोत	वर्धमान सागर बरल द्वितीय बिजयनगर ख.सं. 1206, 1207, 1208 भू.सं. संख्या 15-बी व 16-बी	87.55 SQ.MTR	आवासीय
83	निहालचन्द मुणोत पुत्र कान्ति लाल मुणोत	वर्धमान सागर बरल द्वितीय बिजयनगर ख.सं. 1206, 1207, 1208 भू.सं. संख्या 15 का उत्तरी हिस्सा प्रा.नं. 15-ए	87.05 SQ.MTR	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर

कहीं रुक-रुक कर तो कहीं रिमझिम बारिश से मौसम हुआ खुशनुमा

- सड़कों पर बहा पानी, गर्मी से मिली लोगों को राहत

अजमेर, (कासं) शहर में शनिवार तड़के से रिमझिम फुहारें जारी हैं। कहीं रुक-रुक कर तो कहीं तेज बौछारों ने जयपुर रोड, वैशाली नगर, बजरंगगढ़ व दरगाह बाजार की सड़कों को जलमग्न कर दिया। चार दिन से बदले मौसम ने अधिकतम तापमान को 34.2 से गिराकर शनिवार को 27.8 डिग्री सेल्सियस पर ला दिया, न्यूनतम तापमान भी 25.2 से घटकर 23.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। ठंडी हवाओं ने उमस भरी गर्मी से राहत दी। सुबह शुरू हुई बारिश की वजह से दफ्तरों में उपस्थिति कम और बाज़ारों में चहल पहल धीमी रही। मौसम विभाग के अनुसार पूर्वी राजस्थान के ऊपर बना चक्रवाती परिसंचरण तंत्र सक्रिय है, जिससे अगले एक सप्ताह तक मानसून सक्रिय बने रहने की संभावना है। विभाग ने शनिवार को मध्यम वर्षा, 25 अगस्त को हल्की से मध्यम बारिश और 29 अगस्त तक छिटपुट तेज बौछारों का पूर्वानुमान जारी किया है। शहर में हुई बारिश ने एक बार फिर नगर निगम के दावों की पोल खोल दी। महावीर सर्किल, गंज, दरगाह बाजार, मदार गेट क्षेत्र में पानी सड़कों पर आ गया। कई इलाकों में क्षतिग्रस्त सड़कें भी परेशानी का सबब बनी हुई है। विशेषज्ञों की मानें तो 27 डिग्री के आसपास का अधिकतम पारा आने वाले दिनों में और गिर सकता है।

दुकानों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की

भीलवाड़ा। आबकारी आयुक्त राजस्थान उदयपुर के निर्देशानुसार भीलवाडा जिले में चलाये गये विशेष अभियान का सफल आयोजन किया गया।जिला आबकारी अधिकारी गौरव मणि जौहरी ने बताया कि 21 दिन चले अभियान में आबकारी वृत्त (टीम आसीन्द, भीलवाड़ा, गंगापुर, माण्डलगढ़, शाहपुरा) जिला भीलवाड़ा में 04 महत्वपूर्ण, 21 साधारण, 10 एम.आर.पी., 01 टाइमिंग, 15 अन्य (बी.एल.सी.) सहित 51 अभियोग दर्ज किये गये।

संयुक्त बैठक

ब्यावर (निसं)राजस्थान शिक्षक संघ राधाकृष्णन व राधाकृष्णन शिक्षिका सेना की जिला स्तरीय संयुक्त बैठक प्रदेश सभाध्यक्ष नारायण सिंह पंवार के सानिध्य में आयोजित हुई। जिलाध्यक्ष बलराज सिंह राठौड़ ने बताया कि बैठक में मुख्य अतिथि प्रदेशाध्यक्ष विजय सोनी ने शिक्षक समाज की समस्याओं को सरकार के समक्ष पुरजोर तरीके से रखने की बात कहते हुए शीघ्र समाधान का विश्वास दिलाया।

उन्होंने शिक्षा विभागीय कार्यों में पारदर्शिता लाने और न्यायसंगत कार्यशैली के लिए शीघ्र स्थानांतरण नीति लागू करने की बात कही। बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश सभाध्यक्ष नारायण सिंह पंवार ने संगठन की उपलब्धियों और संगठन की रीति-नीति पर प्रकाश डाला। जिलामंत्री मनीष जनागल ने बताया कि बैठक में आगामी माह में होने वाले जिलास्तरीय शैक्षिक सम्मेलन की रूपरेखा पर चर्चा की गई तथा अधिकाधिक संख्या में शिक्षक व शिक्षिकाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने की बात कही।

भगवान महावीर जन्म कल्याणक आज

भीलवाड़ा। अनुष्ठान आराधिका ज्योतिष चन्द्रिका महासाध्वी डॉ. कुमुदलताजी म.सा. आदि ठाणा के सानिध्य में आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति द्वारा सुभाषनगर श्रीसंघ के तत्वावधान में दिवाकर कमला दरबार में पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व के आठ दिवसीय आध्यात्मिक आयोजन के चौथे दिन शनिवार को अरिहन्त भवन में जिनवाणी श्रवण करने के लिए श्रावक-श्राविकाएं बारिश के बीच इस कदर उमड़े कि विशाल प्रांगण छोटा प्रतीत हुआ। तेला तप करने वाले करीब 700 तपस्वियों का सामूहिक पारणा भी सुभाषनगर स्थानक में कराया गया। पर्युषण के पांचवे दिन रविवार को प्रवचन के दौरान ही भगवान महावीर जन्म कल्याणक प्रसंग मनाया जाएगा। चौथे दिन धर्मसभा में साध्वी कुमुदलताजी म.सा. ने "उज्जवल भविष्य की ओर युवा" विषय पर प्रवचन में कहा कि भारत के पास दुनिया में सबसे बड़ी युवा शक्ति है। युवा व्यसन मुक्त जीवन जीकर देश का भविष्य उज्जवल बनाने के साथ समाज बदल सकते है,रिवाज बदल सकते है। कल को बदलने से पहले आज का बदलना होगा। युवाओं के लिए स्वामी विवेकानंद जैसे व्यक्तित्व प्रेरणास्त्रोत होने चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को उज्जवल भविष्य के लिए शराब, सिगरेट, बीडी, गुटखा, तंबाकू जैसे नशे और व्यसन से खुद को बचाना होगा। ये नशा जिंदगी को बर्बाद कर देता है।

युवा होटल कल्चर से भी बचे ओर शराब व मांसाहार से खुद को दूर रखे। नौजवान सुधर गए तो देश का भविष्य बदल जाएगा। हम भारतीय संस्कृति पर गर्व होना चाहिए और पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण से बचना चाहिए। साध्वी कुमुदलताजी ने कहा कि विदेशों में जाए तो हमारी वेशभूषा भारतीयता के अनुरूप होनी चाहिए। हमे घर में विदेशी उत्पादों का मोह त्याग अधिकाधिक स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करना चाहिए। धर्मसभा में स्वर साम्राज्ञी महासाध्वी महाप्रज्ञाजी म.सा. ने कहा कि पर्युषण महापर्व आश्रव को छोड़ संवर की ओर बढ़ने, बुराई छोड़ भलाई करने, अधर्म का त्याग कर धर्म की ओर बढ़ने, पाप को छोड़ पुण्य की तरफ बढ़ने का अवसर है।

कलयुग में पुण्य कम पाप ज्यादा होता है। जिनशासन आराधकों के लिए पर्युषण जीवन की गाड़ी सुधारने का अवसर बनकर आता है। उन्होंने मधुर प्रेरणादायी भजन "पाप खपाने आए है आज" की प्रस्तुति भी दी। धर्मसभा में वास्तुविज्ञा प्रज्ञाकीर्तिजी म.सा. ने अंतगडदशा सूत्र के मूल पाठ का वाचन एवं विवेचन करते हुए तीसरे, चौथे एवं पांचवे अध्याय का वाचन किया। उन्होंने कहा कि इस वाचन के माध्यम से हम उन संयमी आत्माओं के जीवन का वर्णन सुन रहे है जिनके गुणों को हम अपने जीवन में अंगीकार कर सकते है। पर्युषण पर्व हमारे जीवन में बदलाव का माध्यम बनना चाहिए। दोपहर में विद्याभिलाषी राजकीर्तिजी म.सा. द्वारा कल्पसूत्र का वांचन किया गया।

पर्युषण पर्व के तहत 20 से 22 अगस्त तक सामूहिक तेला तप करने वाले करीब 700 तपस्वियों का सामूहिक पारणा शनिवार सुबह सुभाषनगर स्थानक में कराया गया। चातुर्मास आयोजन समिति एवं सुभाषनगर श्रीसंघ के सहयोग से पारणा कार्यक्रम में सेवाएं प्रदान की। पारणा महोत्सव का लाभ गुप्त परिवार ने लिया। धर्मसभा में पारणा प्रभावना लाभार्थी अनिल कोठारी,तेला तप के लिए प्रेरणा देने वाली शकुन्तला खमेसरा, चातुर्मास समिति के सचिव राजेन्द्र सुराना, आशीष भड़कत्या, गुलाबपुरा के पुलिस उप अधीक्षक जितेन्द्रसिंह राठौड़ का स्वागत चातुर्मास समिति के अध्यक्ष दौलतमल भड़कत्या, उपाध्यक्ष सुनील नाहर, महावीर बाबेल, महिला मण्डल अध्यक्ष निर्मला भड़कत्या, मंजू पोखरना, नीता बाबेल आदि ने किया। पर्युषण पर्व के दौरान महासाध्वी मण्डल की प्रेरणा से त्याग तपस्याओं का ठाठ लगा हुआ है। महासाध्वी कुमुदलताजी म.सा. ने बताया कि गुप्त तपस्वियों के 28 एवं 25 उपवास की तपस्या भी चल रही है। सिद्धी तप तपस्या भी गतिमान है। तेला तप आराधना करने वालों में से कुछ श्रावक-श्राविकाओं ने आगे बढ़ते हुए चार उपवास के प्रत्याख्यान लिए। इसके अलावा तेला, बेला, उपवास, आयम्बिल, एकासन आदि तप के प्रत्याख्यान भी लिए गए। पूज्य प्रवर्तक पन्नालालजी म.सा. की जयंति पर 26 अगस्त को भिक्षु दया का आयोजन भी कराया जाएगा।

कार्यालय नगर पालिका सावर, जिला अजमेर (राज.)

E-mail: npsawar@gmail.com PH No-01467-294025

क्रमांक : न.पा.सा./भवन निर्माण/2025-26/393 दिनांक - 22/08/25

आपत्ति आमन्त्रण पत्र

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका सावर क्षेत्र में निम्न आवेदकों द्वारा ऑनलाईन भवन निर्माण स्वीकृति चाहने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किये है जिसमें किसी भी व्यक्ति/सज्जन/पडोसी को कोई आपत्ति हो तो कार्यालय में 7 दिवस में लिखित मय दस्तावेजों के प्रस्तुत करे अन्यथा बाद नियाद नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। जिसमें किसी का कोई उजर मान्य नहीं होगा।

क्र सं	आवेदक/पिता का नाम	आवेदित स्थल	नाप वर्गगज में	उत्तर	दक्षिण	पूर्व	पश्चिम	प्रयोजन
1.	श्री राजेश कुमार शर्मा पुत्र श्री कल्याण मल शर्मा एवं श्रीमति सुशीला शर्मा पुत्री श्री कल्याण मल शर्मा	न्यू कॉलोनी सावर	122.22	आम रास्ता	आम रास्ता	मोइनुदीन देशवाली	आम रास्ता	आवासीय

(तेजमान सिंह) अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका सावर

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक : 921 **जाहिर आम सूचना** दिनांक 21.8.25

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 1-क-20, धोलाभाटा, अजमेर क्षेत्रफल 136.00 वर्ग गज मूल आवंटी श्री सज्जन सिंह पुत्र श्री रामस्वरूप सिंह को आवंटित कर आवास का भौतिक कब्जा सौपा गया था। श्री सज्जन सिंह पुत्र श्री रामस्वरूप सिंह द्वारा दिनांक 25.05.1990 को उक्त आवास का पंजीयन करवा लिया गया। श्री सज्जन सिंह पुत्र श्री रामस्वरूप सिंह की मृत्यु दिनांक 17.05.1999 को एवं श्रीमती शकुन्तला पत्नि स्व. श्री सज्जन सिंह की मृत्यु दिनांक 15.05.2018 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री हिम्मत सिंह पुत्र स्व. श्री सज्जन सिंह द्वारा मृत्यु पश्चात् आवास हस्तान्तनरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। श्री हिम्मत सिंह के पक्ष में श्रीमती मधु भाटी पुत्री स्व. श्री सज्जन सिंह एवं पत्नि श्री मुकेश सिंह, श्रीमती निशा चौहान पुत्री स्व. श्री सज्जन सिंह एवं पत्नि श्री विजय सिंह चौहान एवं श्रीमती ज्योति भाटी पुत्री स्व. श्री सज्जन सिंह एवं पत्नि श्री विसमय सिंह भाटी द्वारा रजिस्टर्ड हकत्याग पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अब श्री हिम्मत सिंह पुत्र स्व. श्री सज्जन सिंह ने उक्त आवास से संबंधित मृत्यु हस्तान्तरण प्रपत्र प्रस्तुत कर स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्री हिम्मत सिंह पुत्र स्व. श्री सज्जन सिंह का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अत: उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी / आपत्ति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

सहायक प्रशासनिक अधिकारी राजस्थान आवासन मण्डल खण्ड- अजमेर

मुख्यमंत्री ने बालिकाओं और कामकाजी महिलाओं को वितरित की ई-साइकिल

''ई-साइकिल वितरण समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, ''बेटियों की मुस्कान ही हमारी ताकत है''

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार बालिका शिक्षा, महिला सुरक्षा, महिला सशक्तीकरण और महिला उत्थान को प्राथमिकता मानते हुए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बेटियों की मुस्कान ही हमारी ताकत है तथा हम प्रदेश की महिला शक्ति के उत्थान के लिए तत्पर हैं। महिलाओं और बेटियों के शिक्षित और सशक्त होने से ही देश और समाज सशक्त होगा। शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर बालिकाओं को ई-साइकिल वितरण समारोह के अवसर पर संबोधित कर रहे थे।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि माताएं-बहनें हमारी संस्कृति एवं संस्कारों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाती हैं। मातृशक्ति समाज और परिवार में बच्चों के पालन से लेकर बुजुर्गों की सेवा तक विभिन्न भूमिकाओं का बखूबी निर्वहन करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' का मूलमंत्र देकर लिंगानुपात में सुधार तथा बालिका शिक्षा को बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा कि इसी दिशा में राज्य सरकार का प्रयास है कि कोई भी बेटी शिक्षा से वंचित न रहे। राज्य सरकार द्वारा गार्गी पुरस्कार योजना के तहत 3.90 लाख बालिकाओं एवं बालिका प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के तहत लगभग 2 लाख बालिकाओं को प्रोत्साहन दिया गया है। उन्होंने कहा कि लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत गरीब परिवारों को बालिकाओं के जन्म पर 1 लाख 50 हजार रुपये का सेविंग बॉन्ड मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अब तक विभिन्न योजनाओं में लगभग 11 लाख से अधिक छात्राओं को साइकिल प्रदान की है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश में महिला सशक्तीकरण की दिशा में मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना संचालित की जा रही हैं। राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में प्रोत्साहन राशि को बढ़ाकर 6 हजार 500 रुपये किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पांच साल में चार लाख सरकारी एवं निजी क्षेत्र में 6 लाख नौकरियों के संकल्प को पूरा करेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को निज निवास पर बालिकाओं को ई-साइकिल वितरित की और उनसे संवाद किया।

■ भजनलाल शर्मा ने कहा कि ''बालिका शिक्षा, महिला सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण और महिला उत्थान राज्यसरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने बालिकाओं से आत्मीयता से संवाद करते हुए उनकी जिज्ञासाओं को पूरा किया। छात्रा सीमा यादव ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ई-साइकिल से सपनों को नई उडान मिलेगी। वहीं, छात्रा अभिनीति ने कहा कि ई-साइकिल से आवागमन में होने वाली पैसे की बचत से वह कम्प्यूटर की पढ़ाई कर सकेंगी।

इसी तरह, छात्रा विनीता गोठवाल के साइकिल चलाने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने आत्मीयता से कहा कि उनके छात्र जीवन में स्कूल जाने के लिए वे साइकिल का उपयोग करते थे। संवाद के दौरान निजी क्षेत्र में कार्यरत लाभार्थी आशा ने मुख्यमंत्री से कहा कि ई-साइकिल के मिलने से उनको आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा समय व पैसे की बचत होगी और वह फिट इंडिया मुहिम का हिस्सा भी बन सकेंगी। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाली छात्रा रितिका ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जारी भर्ती परीक्षाओं का कैलेण्डर जारी करने से बेहतर तैयारी हो पा रही है तथा पेपरलीक जैसी घटनाओं पर अंकुश लगने से उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। उन्होंने आभार जताते हुए कहा कि उनके पिता विशेष योग्यजन हैं तथा मुख्यमंत्री को देखकर उन्हें परिवार के सदस्य जैसा प्रतीत होता है जिन्होंने ई-साइकिल का उपहार दिया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आ ान किया कि वे सभी दृढ़ निश्चय एवं कड़ी मेहनत के साथ अपने सपनों को पूरा करें। राज्य सरकार बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए उनके साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान बालिकाओं एवं कामकाजी महिलाओं को ई-साइकिल वितरित की। कार्यक्रम में ईईएसएल की ई-बाईसाइकिल प्रोग्राम हैड रितु सिंह सहित बड़ी संख्या में लाभार्थी बालिकाएं एवं कामकाजी महिलाएं उपस्थित रहीं।

साथिन-आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने जताया उपमुख्यमंत्री का आभार

साथिन और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने शनिवार को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी से मुलाकात कर राजस्थान सरकार के हालिया फैसलों के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उनका आभार जताया।

जयपुर। साथिन और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने राजस्थान सरकार के हालिया फैसलों के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का आभार व्यक्त किया।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि ग्राम पंचायतों के नगर पालिकाओं में विलय के बाद उन्हें मानदेय सेवा से हटा दिया गया था, लेकिन सरकार ने बड़ा निर्णय लेकर सभी को फिर से मानदेय सेवा में बहाल किया और आज वे ऑन ड्यूटी है।

कार्यकर्ताओं ने उल्लेख किया कि उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के नेतृत्व और संवेदनशीलता के कारण ही यह निर्णय संभव हो सका। उन्होंने हमेशा महिला सशक्तिकरण और साथिन-आंगनबाड़ी कर्मियों के हितों के लिए आवाज उठाई है। इसके अलावा उन्होंने रक्षा बंधन पर मिली 501 रुपये की राशि, 1 किलो मिठाई और छाता वितरण के लिए भी सरकार का धन्यवाद किया। साथ ही 463 महिलाओं को महिला पर्यवेक्षक पद देने, ग्रेच्युटी की बजट घोषणा और दो साल में 10 प्रतिशत मानदेय बढ़ोतरी के लिए भी आभार जताया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि राज्य सरकार के इन फैसलों से उनका मनोबल बढ़ा है और वे और अधिक समर्पण के साथ काम करेंगी।

सप्त शक्ति कमान ने मनाया आवा दिवस

जयपुर। सप्त शक्ति आवा ने 23 अगस्त को सप्त शक्ति ऑडिटोरियम में बड़े ही गर्व और उत्साह के साथ 59वां आवा दिवस मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आवा की क्षेत्रीय अध्यक्षा बरिंदर जीत कौर उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में वरिष्ठतम वेटरन लेडी, वीर नारियाँ तथा अन्य गणमान्य महिलाएँ भी सम्मिलित हुई। एडब्ल्यूडब्ल्यूए दिवस के अवसर पर, संगठन द्वारा कई सार्थक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में 19 और 20 अगस्त को जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों - मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा, एनीमिया, दृष्टि देखभाल और कैंसर (मैमोग्राफी और पैप स्मीयर) की व्यापक जाँच के लिए एक दो दिवसीय चिकित्सा शिविर आयोजित किया। सप्त शक्ति ऑडिटोरियम में एक मनमोहक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एडब्ल्यूडब्ल्यूए अध्यक्षा ने वीडियो संदेश के माध्यम से समस्त एडब्ल्यूडब्ल्यूए परिवार को बधाई और शुभकामनाएँ दीं। क्षेत्रीय अध्यक्षा ने भी एडब्ल्यूडब्ल्यूए के समस्त परिवार को अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। आर्मी पब्लिक स्कूल जयपुर के छात्रों द्वारा प्रस्तुत जीवंत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को और भी आकर्षक बना दिया। इस मौके पर फिक्की फ्लो, जयपुर चैप्टर और सप्त शक्ति एडब्ल्यूडब्ल्यूए के बीच एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह सहयोग कौशल विकास, डिजिटल साक्षरता और उद्यमिता के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के साझा संकल्प का प्रतीक है, जो नए अवसर और प्रगति के मार्ग प्रशस्त करेगा। कार्यक्रम के दौरान सहयोगियों, आर्मी पब्लिक स्कूल के छात्रों तथा एडब्ल्यूडब्ल्यूए पुरस्कार विजेताओं को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित करने हेतु एक सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया।

वाइस प्रिंसिपल को पदावतन करने पर रोक, जवाब मांगा

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने माध्यमिक शिक्षा विभाग के वाइस प्रिंसिपल को पदावनत कर वापस व्याख्याता लगाने के आदेश पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, कार्मिक सचिव और माध्यमिक शिक्षा निदेशक को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस महेन्द्र कुमार गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश सत्यनारायण की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता को 28 फरवरी, 2023 को व्याख्याता से वाइस प्रिंसिपल पद पर पदोन्नत किया गया था। तब से याचिकाकर्ता वाइस प्रिंसिपल पद का काम करता चला आ रहा है। इस दौरान विभाग ने जुलाई, 2024 में काउन्सलिंग कर उसे इस पद पर नियमित नियुक्ति देते हुए दूसरी स्कूल में कार्य ग्रहण करवा दिया।

वैश्विक महाशक्तियां स्वार्थों के कारण भारतीय आर्थिक हितों को नुकसान पहुँचा रही : सतीश कुमार

सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र में स्वदेशी सुरक्षा एवं स्वावलंबन अभियान के तहत उद्यमियों की बैठक

जयपुर। स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय सह-संगठक सतीश कुमार ने कहा है कि वैश्विक महाशक्तियां अपने स्वार्थों के कारण भारतीय आर्थिक हितों को नुकसान पहुँचा रही हैं।

अमेरिका लगातार टैरिफ बढ़ाकर भारत के हितों पर आघात कर रहा है और अपनी शर्तें भारत पर थोपना चाहता है, जो देशहित में स्वीकार्य नहीं है। वे स्वदेशी जागरण मंच जयपुर प्रांत की ओर से स्वदेशी सुरक्षा एवं स्वावलंबन अभियान के अंतर्गत सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र स्थित फरिश्ता एक्सपोर्ट्स में उद्यिमयों की महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि एक जिम्मेदार भारतीय नागरिक होने के नाते हमें दैनिक जीवन की वस्तुओं की सूची बनाकर विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करना होगा और स्वदेशी उत्पादों को अपनाना होगा। जहां तक संभव हो, उद्योग-धंधों में भी स्वदेशी मशीनों एवं उपकरणों का प्रयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्थानीय उत्पादों और स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग से ही देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी तथा विदेशी और बहुराष्ट्रीय कंपनियों पर निर्भरता घटेगी।

सतीश कुमार ने कहा कि अमेरिका, चीन, तुर्की और अजैरबान जैसे देशों का रवैया कभी भारत समर्थक नहीं रहा है।

इन देशों ने आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान का समर्थन किया है, इसलिए इनको आर्थिक गतिविधियों के माध्यम से दंडित करना आवश्यक है। इसका एकमात्र विकल्प स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग और खरीद-फरोख्त को बढ़ावा देना है।

स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय सह-संगठक सतीश कुमार ने सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र में उद्यामियों से बातचीत की।

प्रांत प्रचार प्रमुख डॉ. धर्मवीर चंदेल ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य भारतीयों द्वारा स्वदेशी वस्तुओं का पूर्ण उपयोग, सम्मान और विदेशी कंपनियों के उत्पादों का परित्याग करना है।

बैठक में उद्यिमयों की प्रमुख समस्याओं पर चर्चा की गई और उनके समाधान के उपायों पर विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर प्रांत संयोजक सुरेंद्र कुमार नामा, प्रांत समन्वयक लोकेन्द्र सिंह, प्रांत सह-समन्वयक दिनेश कुमार शर्मा, विभाग सह-संयोजक राम प्रसाद शर्मा, जयपुर महानगर संयोजक शंभू सिंह, सांगानेर महानगर संयोजक शेर सिंह सहित अनिरुद्ध जोशी, पुरुषोत्तम जोशी, महेश कालूवास तथा सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया के 35 उद्यमी उपस्थित थे।

30 और 31 अगस्त को लिखित परीक्षा

जयपुर। पुलिस विभाग में पदोन्नित की राह देख रहे उप निरीक्षकों के लिए खुशखबरी है। पुलिस मुख्यालय, जयपुर ने उप निरीक्षक से पुलिस निरीक्षक (एपी/सीपी) पद पर पदोन्नित के लिए होने वाली योग्यात्मक परीक्षा 2022-23 की अस्थाई पात्रता-अपात्रता सूची जारी कर दी है। चयन समिति के सदस्य और पुलिस अधीक्षक सीआईडी सीबी लक्ष्मणदास द्वारा जारी पत्र के अनुसार जिन उम्मीदवारों को इस सूची में पात्र माना गया है, उनकी लिखित परीक्षा 30 और 31 अगस्त को जयपुर में आयोजित की जाएगी।

मोदी सरकार की ''विवाद से विश्वास'' योजना व्यापारियों-उद्यमियों को दे रही राहत : मदन राठौड़

इस योजना के द्वितीय चरण में 4138 करोड़ की राशि का समाधान हुआ : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई ''विवाद से विश्वास योजना'' का द्वितीय चरण करदाताओं को बड़ी राहत प्रदान कर रहा है। यह योजना मुख्य रूप से आयकर दाताओं के लंबित विवादों के समाधान के उद्देश्य से शुरू की गई है, जिससे करदाताओं को एक निर्धारित राशि का भुगतान कर अपने विवादों का त्वरित और न्यायपूर्ण निपटारा करने का अवसर मिल रहा है। राठौड़ ने बताया कि विवाद से विश्वास योजना-2 को 1 अक्टूबर, 2024 से लागू किया गया है। इसके अंतर्गत अब तक 1249 आवेदन/दावे प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 336 मामलों का समाधान सफलतापूर्वक किया जा चुका है। इस योजना का मुख्य फोकस सरकारी ई-मार्केटप्लेस और रेल मंत्रालय की गैर-जेम संविदाओं के अंतर्गत उत्पन्न विवादों के निपटान पर है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि प्राप्त आंकड़ों के अनुसार इस योजना के तहत निपटाए गए विवादित मामलों की कुल राशि 5557 करोड़ रही है, जिसमें से अब तक 4138 करोड़ का समाधान किया जा चुका है। इसी प्रकार आईआरईपीएस और एमओआर पोर्टल के माध्यम से 553.64 करोड़ की विवादित राशि और 727.08 करोड़ के दावों का भी सफल निपटारा हुआ है। राठौड़ ने कहा कि यह उपलब्धि केंद्र सरकार की विवाद निपटान के प्रति गंभीरता और प्रतिबद्धता को दर्शाती है। योजना पारदर्शिता और जवाबदेही के सिद्धांतों पर आधारित है, जिससे व्यापारियों और उद्यिमयों को राहत मिली है और राजस्व प्रक्रिया भी अधिक सरल हुई है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि इस प्रकार की योजनाएं न केवल सरकार की नीतिगत स्पष्टता को दर्शाती हैं, बल्कि करदाताओं को यह विश्वास भी देती हैं कि सरकार उनके हितों के प्रति संवेदनशील है और उनके विवादों का समाधान शीघ्रता से करने के लिए प्रतिबद्ध है। विवाद से विश्वास योजना को वित्त मंत्रालय द्वारा पुनः प्रारंभ किया गया है। इसका उद्देश्य लंबित प्रत्यक्ष कर विवादों को समाप्त करना है और कर, जुर्माना, ब्याज एवं शुल्क से संबंधित मुद्दों के त्वरित समाधान हेतु एक सरल और व्यावहारिक ढांचा प्रदान करना है। इस योजना के माध्यम से सरकार मुकदमेबाजी की प्रक्रिया को कम कर करदाताओं का समय और संसाधन बचा रही है। इससे सरकार और नागरिकों के बीच विश्वास की भावना को बल मिलता है।

सांसद खेल महोत्सव सभी लोकसभा क्षेत्रों में 29 अगस्त से

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी 29 अगस्त से प्रदेश के सभी लोकसभा क्षेत्रों में 'सांसद खेल महोत्सव' का आयोजन करेगी। भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक ने बताया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देश पर खेल महोत्सव के सफल आयोजन के लिए पार्टी के 25 वरिष्ठ नेताओं एवं सांसदों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। पारीक ने बताया कि लोकसभा क्षेत्र श्रीगंगानगर में पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, बीकानेर में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल, चुरू में सांसद घनश्याम तिवाड़ी, झुंझुनूं में प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण लाल पंचारिया, सीकर में पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती, जयपुर ग्रामीण में सांसद राव राजेंद्र सिंह, जयपुर शहर में सांसद मंजू शर्मा, अलवर में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, भरतपुर में पूर्व सांसद निहालचंद मेघवाल, करौली में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, दौसा में पूर्व सांसद मनोज राजौरिया, टोंक-सवाई माधोपर में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड, अजमेर में केंद्रीय राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, नागौर में सांसद राजेंद्र गहलोत, पाली में सांसद पीपी चौधरी, जोधपुर में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पुराने लंबित मुकदमों का निस्तारण करेंगे सेवानिवृत्त जज : केन्द्रीय विधि मंत्री

पूर्व न्यायाधीश गणपत सिंह भंडारी की ओर से लिखित पुस्तक ''तत्काल न्याय प्रदान करना: पूर्व जज की यादें'' का विमोचन

जयपुर। केंद्रीय विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि अदालतों में लंबित मुकदमों का निस्तारण सेवानिवृत्त जजों के जरिए कराने पर प्रारंभिक रूप से सहमति बन गई है।

इसके लिए हाईकोर्ट प्रशासन की ओर से छंटनी कर शारीरिक रूप से सक्षम पूर्व न्यायाधीशों के नाम भेजे जाए। इसके साथ ही इवनिंग कोर्ट्स के संचालन को लेकर भी चर्चा की जा रही है। इस साल हाईकोर्ट में बड़ी संख्या में जजों की नियुक्ति की गई है। इससे मुकदमों के निस्तारण में सहायता मिलेगी।

केन्द्रीय विधि मंत्री मेघवाल ने यह विचार पूर्व न्यायाधीश गणपत सिंह भंडारी की ओर से लिखित पुस्तक तत्काल न्याय प्रदान करना: पूर्व जज की यादें के विमोचन समारोह में रखे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा ने कहा कि जज की यह कोशिश रहती है कि केस के हर पहलू को देखकर मुकदमे का निस्तारण किया जाए। वकील को तारीख इसलिए दी जाती है कि वह केस से जुड़ा हर तथ्य सामने रख सके। जस्टिस शर्मा ने कहा कि मध्यस्थता के जरिए दोनों पक्षों की सहमति से मुकदमे का तत्काल निस्तारण किया जाता है।

केंद्रीय विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शनिवार को जयपुर में पूर्व न्यायाधीश गणपत सिंह भंडारी की पुस्तक ''तत्काल न्याय प्रदान करना: पूर्व जज की यादें'' का विमोचन किया। इस मौके पर जस्टिस अनुरूप सिंघी, पुस्तक के लेखक गणपत सिंह भंडारी, महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जीएस सिंघवी, जस्टिस एन.के. जैन, पूर्व लोकायुक्त एस.एस. कोठारी भी मौजूद थे।

पुस्तक के लेखक गणपत सिंह भंडारी ने बताया कि पुस्तक में तत्काल न्याय देने के अनुभवों के बारे में जानकारी दी गई है।

अपने सेवाकाल के बारे में बताते हुए भंडारी ने बताया की उन्होंने अपनी पूरी सेवा में कभी भी फैसला सुरक्षित नहीं रखा।

जिस दिन बहस पूरी होती थी, उसी दिन फैसला दिया जाता था। इसके अलावा बंटवारे सहित सिविल मुकदमों में मौके पर जाकर मुकदमों का निस्तारण किया जाता था।

कार्यक्रम में जस्टिस अनुरूप सिंघी, महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जीएस सिंघवी, जस्टिस एनके जैन, पूर्व लोकायुक्त एस.एस. कोठारी सहित विधि क्षेत्र से जुडे लोग मौजूद रहे।

फिट इंडिया मिशन के तहत राजस्थान पुलिस का फिटनेस डोज

जयपुर। फिट इंडिया मूवमेंट जिसकी शुरुआत प्रधानमंत्री द्वारा 2019 में की गई थी, का उद्देश्य फिटनेस को सभी नागरिकों के दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाना है। इसी पहल के अंतर्गत युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से राजस्थान पुलिस रविवार को ''संडेज ऑन साइकिल'' अभियान का एक विशेष संस्करण आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम राज्य के सभी जिला मुख्यालयों, पुलिस,आर्म्ड बटालियन, प्रशिक्षण संस्थानों और अन्य पुलिस इकाइयों में होगा। इस आयोजन में केवल साइकिलिंग ही नहीं बल्कि योग, ज़ुम्बा, रनिंग और रोप स्कीपिंग जैसी अन्य फिटनेस गतिविधियां भी शामिल होंगी। इन गतिविधियों का उद्देश्य आम जनता में उत्साह बढ़ाना है।

■ ''संडेज ऑन साइकिल'' अभियान से जुड़ेंगे 17 हजार से अधिक लोग

इस आयोजन का व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है ताकि पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ आम नागरिक, स्थानीय साइक्लिंग क्लब, स्कूल और कॉलेज के छात्र, एनजीओ और अन्य समूह भी इसमें शामिल हो सकें। इस पहल का मुख्य संदेश ''फिटनेस की डोज आधा घंटा रोज'' है, जिसे सभी तक पहुँचाया जाएगा। इस विशेष अभियान में विभिन्न जिलों और इकाइयों से लगभग 16 हजार 950 से अधिक लोगों के भाग लेने का अनुमान है। जयपुर शहर पुलिस लाईन में योगा और साइकिलिंग में 700 लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। आरपीए में योग, साइकिलिंग और रनिंग में 600 लोग भाग लेंगे। जोधपुर ग्रामीण पुलिस, प्रशिक्षण संस्थान और आरएसी की तरफ से होने वाले कार्यक्रम में लगभग 1 हजार 600 लोगों के हिस्सा लेने का अनुमान है। भरतपुर में पुलिस और आरएसी की तरफ से होने वाले योगा और साइकिलिंग कार्यक्रम में 500 लोग भाग ले सकते हैं। बूंदी में साइकिलिंग और रनिंग में 500 से अधिक लोगों के शामिल होने की संभावना है। कोटा सिटी पुलिस, ग्रामीण पुलिस और आरएसी में योग, साइकिलिंग और जुम्बा में 300 लोग भाग लेंगे। उदयपुर में फतेहसागर लेक पर योगा, साइकिलिंग और जुम्बा में 150 लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। यह अभियान फिटनेस को बढ़ावा देने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने में एक महत्वपूर्ण कदम है।

शिमकेंट में जारी चैंपियनशिप में भारत का मेडल टैली अब 11 हो गया है, जिसमें चार गोल्ड, एक सिल्वर और छह ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं।

एलावेनिल वलारिवन और अर्जुन बाबुता ने एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में जीता गोल्ड मेडल।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — **जसप्रीत बुमराह**

आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर के लिए सर गारफील्ड सोबर्स पुरस्कार विजेता को सम्मानित किया गया। अभूतपूर्व प्रदर्शनों से भरे एक शानदार वर्ष ने आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024 के लिए सर गारफील्ड सोबर्स पुरस्कार के भाग्य का फैसला कर दिया है। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आईसीसी अवार्ड्स में आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर के लिए प्रतिष्ठित सर गारफील्ड सोबर्स पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, जिसमें उनके असाधारण 2024 को मान्यता दी गई है, जिसमें उन्होंने खेल के सबसे लंबे और सबसे छोटे प्रारूप में विरोधियों पर दबदबा बनाया।

क्या आप जानते हैं ?... टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज फिफ्टी जड़ने का रिकॉर्ड नेपाल केदीपेंद्र सिंह ऐरीके नाम दर्ज है। भारत की ओर से इस फॉर्मेट में सबसे कम गेंदों में फिफ्टी पूरी करने वाले प्लेयर युवराज सिंह हैं।

मानिनी कौशिक ने जीता एक और स्वर्ण पदक

जयपुर, 23 अगस्त। मानिनी कौशिक ने 2025 राज्य शूटिंग चैंपियनशिप में 50 मीटर राइफल 3पी स्पर्धा में लगातार चौथे वर्ष स्वर्ण पदक जीता साथ ही प्रोन स्पर्धा में कांस्य पदक प्राप्त कर पिछली चार स्टेट चैंपियनशिप मे अपने कुल प्राप्त पदकों की संख्या आठ कर ली इसमें से सात स्वर्ण पदक है और एक कांस्य पदक है। मानिनी अभी एशियन चैंपियनशिप मे भाग लेने के लिए शिमकेंट कजाखस्तान गई है जहाँ वे 50 मीटर राइफल प्रोन इवेंट मे व्यक्तिगत एवम टीम स्पर्धा मे भाग लेंगी। मानिनी अगले माह वर्ल्ड चैंपियनशिप मे भाग लेने के लिये निंगबो चाइना जाएंगी जहाँ वे 50 मीटर 3 इवेंट मे हिस्सा लेंगी।

साउथ अफ्रीका में होंगे 2027 वनडे वर्ल्डकप के 44 मैच

नई दिल्ली, 23 अगस्त। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने शनिवार को 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के 8 वैन्यू डिसाइड कर दिए हैं। इसके अनुसार, वर्ल्ड कप के 44 मुकाबले साउथ अफ्रीका के 8 शहरों में खेले जाएंगे, जबकि 10 मैचों का आयोजन नामीबिया-जिम्बाब्वे में होगा। साउथ अफ्रीका में होने वाले मुकाबले जोहान्सबर्ग, प्रिटोरिया, केप टाउन, डरबन, ग्केबरहा, ब्लोएमफोंटेन, ईस्ट लंदन और पार्ल में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट के आयोजन के लिए एक स्थानीय कमेटी का गठन भी किया है। वनडे वर्ल्ड कप का पिछला खिताब ऑस्ट्रेलिया ने जीता था। कंगारू टीम ने 19 नवंबर 2023 में अहमदाबाद में खेले गए फाइनल मुकाबले में मेजबान भारत को 6 विकेट से हराया था। 5 टूर्नामेंट होस्ट कर चुका है साउथ अफ्रीका साउथ अफ्रीका ने चैंपियंस ट्रॉफी 2009, पहला टी20 वर्ल्ड कप 2007 और 2003 में वनडे वर्ल्ड कप को होस्ट किया है। इसके अलावा, साउथ अफ्रीका ने दो महिला वर्ल्ड कप भी सफलतापूर्वक आयोजित किए हैं। 2005 का 50 ओवर वर्ल्ड कप और 2023 का टी20 वर्ल्ड कप, जिसमें प्रोटियाज टीम फाइनल तक पहुंची थी लेकिन ऑस्ट्रेलिया से हार गई थी। ने 2027 वर्ल्ड कप कमेटी बनाई साउथ अफ्रीका के पूर्व वित्त मंत्री ट्रेवर मैनुअल को 2027 क्रिकेट वर्ल्ड कप की लोकल ऑर्गेनाइजिंग कमेटी का प्रमुख बनाया गया है। की चेयरपर्सन पर्ल माफोशे ने कहा, की सोच है कि हम एक ऐसा ग्लोबल और प्रेरणादायक इवेंट आयोजित करें, जो साउथ अफ्रीका की एकजुटता को दर्शाएगा। नामीबिया को जगह बनाने के लिए क्वालिफायर खेलना होगा साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे की टीम मेजबान के तौर पर पहले से ही टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर चुके हैं, हालांकि नामीबिया को जगह बनाने के लिए अफ्रीकी क्वालिफायर से गुजरना होगा।

कोहली-रोहित के फेयरवेल की चिंता न करें, दोनों फिट हैं : राजीव शुक्ला

नई दिल्ली, 23 अगस्त। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ( ) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, विराट कोहली और रोहित शर्मा पूरी तरह फिट हैं। वे अभी भी वनडे क्रिकेट खेल रहे हैं और अच्छे प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में उनके फेयरवेल (विदाई मैच) की बात करना जल्दबाजी है।

कोहली और रोहित पहले ही टेस्ट क्रिकेट और टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं। कुछ दिनों पहले मीडिया रिपोर्ट्स में उनके फेयरवेल मैचों को लेकर चर्चा शुरू हो गई थी। डोमेस्टिक टी-20 लीग यूपी टी-20 को शुक्रवार को दिए गए इंटरव्यू में राजीव ने यह बात कही।

फेयरवेल की चिंता करना गलत-राजीव राजीव शुक्ला से जब फेयरवेल मैच को लेकर सवाल किया गया, तब वे बोले क्या? रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों वन-डे खेल रहे हैं। उन्होंने संन्यास नहीं लिया है, तो आप उनके फेयरवेल को लेकर क्यों बात और चिंता कर रहे हैं? की नीति बिल्कुल स्पष्ट है, हम किसी को भी संन्यास लेने के लिए नहीं कहेंगे, उन्हें खुद अपना निर्णय लेना होता है।

उन्होंने आगे कहा, फेयरवेल मैच के आयोजन के लिए जब समय आएगा, तब देखेंगे। आप पहले से ही उनका फेयरवेल आयोजित कर रहे हैं। विराट कोहली बहुत फिट हैं, और रोहित शर्मा बहुत अच्छा खेलते हैं।

टेस्ट और टी20 से संन्यास ले चुके हैं विराट कोहली और रोहित शर्मा टेस्ट और टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले चुके हैं। उन्होंने 2024 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद रिटायरमेंट का ऐलान किया था। इसके बाद 7 मई को रोहित और 12 मई को विराट ने टेस्ट क्रिकेट से भी संन्यास ले लिया था।

आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी में साथ खेले आखिरी बार वनडे में विराट और रोहित चैंपियंस ट्रॉफी दुबई में साथ खेले थे, जहां कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ शतक जड़ा और रोहित ने फाइनल में अर्धशतक बनाया था। के बाद से दोनों ने कोई भी मैच नहीं खेला है। अगली वनडे सीरीज अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया में होनी है।

लियोनेल मेसी और अर्जेंटीना टीम नवंबर में केरल आएगी

ग्रीनफील्ड स्टेडियम में प्रदर्शनी मैच, फुटबॉल विकास कार्यक्रमों में भी एएफए मदद करेगा

नई दिल्ली, 23 अगस्त। फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ी लियोनेल मेसी और वर्ल्ड चैंपियन अर्जेंटीना राष्ट्रीय फुटबॉल टीम 10 से 18 नवंबर 2025 के बीच केरल का दौरा करेगी। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) ने इसकी आधिकारिक पुष्टि की है। मेसी और उनकी टीम तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड स्टेडियम में एक प्रदर्शनी मैच खेलेंगे। इस आयोजन को केरल सरकार और रिपोर्टर ब्रॉडकास्टिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड मिलकर आयोजित कर रहे हैं। पहले खबरें आई थी, कि एएफए ने मना कर दिया है पहले खबरें आई थी कि अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने भारत के दौरे पर आने से मना कर दिया है। मई 2025 में कुछ खबरों में दावा किया गया था कि फीफा के अंतरराष्ट्रीय मैच कैलेंडर के कारण अर्जेंटीना टीम केरल नहीं आएगी। लेकिन रिपोर्टर टीवी के प्रबंध निदेशक और संपादक एंटो ऑगस्टाइन ने इन अफवाहों को खारिज करते हुए कहा, एएफए ने कोई रद्दीकरण नहीं किया है। तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं, और हम लोगों से आग्रह करते हैं कि वे भ्रामक खबरें न फैलाएं।

केरल के फुटबॉल प्रेमी अर्जेंटीना को सपोर्ट करते हैं केरल के खेल मंत्री वी. अब्दुरहमान ने फेसबुक पर इसकी घोषणा करते हुए कहा, केरल के फुटबॉल प्रशंसकों का प्यार और समर्थन अर्जेंटीना की टीम के लिए अद्भुत रहा है। अर्जेंटीना की टीम अपने प्रशंसकों से मिलने के लिए उत्साहित है। शुरुआत में इस दौरे के लिए भारी खर्च की चिंता थी, लेकिन केरल सरकार ने एएफए को न्योता भेजा। ऑनलाइन चर्चाओं के बाद, एएफए ने केरल के साथ फुटबॉल विकास कार्यक्रमों के लिए सहयोग करने में भी रुचि दिखाई। प्रदर्शनी मैच 2026 वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण अर्जेंटीना की टीम 5 सितंबर को वेनेजुएला और 10 सितंबर को इक्वाडोर के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के बाद सीधे केरल आएगी। ग्रीनफील्ड स्टेडियम में होने वाला यह प्रदर्शनी मैच 2026 वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण होगा। इस दौरे से केरल में फुटबॉल को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। एएफए के साथ सहयोग से राज्य में जमीनी स्तर पर फुटबॉल विकास, प्रशिक्षण शिविर और प्रतिभा खोज जैसे कार्यक्रम शुरू हो सकते हैं, जो लंबे समय तक प्रभाव छोड़ेंगे।

एशियन शूटिंग - एलावेनिल ने रिकॉर्ड के साथ गोल्ड जीता

जूनियर विमेंस टीम ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर 10 मीटर एयर राइफल में गोल्ड अपने नाम किया

नई दिल्ली, 23 अगस्त। भारत की दो बार की ओलिंपियन एलावेनिल वलारिवन ने कजाकिस्तान के शिमकेंट शूटिंग प्लाजा में आयोजित 16वें एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप के पांचवें दिन महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। वहीं, जूनियर महिला टीम ने 10 मीटर एयर राइफल में वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ गोल्ड अपने नाम किया। एलावेनिल ने चीनी शूटर को हराया एलावेनिल ने 24 शॉट्स के फाइनल में चीन की 16 साल की पेंग शिनलू को कड़ी टक्कर देते हुए 253.6 का स्कोर बनाया, जो एक नया एशियाई फाइनल रिकॉर्ड है। पेंग 0.6 अंक पीछे रहकर सिल्वर मेडल जीता, जबकि कोरिया की क्वोन यूनजी ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

एलावेनिल का यह इस इवेंट में दूसरा इंडिविजुअल गोल्ड मेडल है। इससे पहले उन्होंने 2019 में चीन के ताइयुआन में आयोजित एशियाई चैंपियनशिप में भी गोल्ड जीता था। उनकी साथी भारतीय निशानेबाज मेहुली घोष फाइनल में चौथे स्थान पर रहीं, जिनका स्कोर 208.9 रहा।

सिंगल्स शॉट्स में 10 से ऊपर स्कोर किया पहली सीरीज (पांच शॉट्स) के बाद एलावेनिल चौथे स्थान पर थीं। दूसरी सीरीज के बाद वे संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर रहीं। इसके बाद अगले 14 सिंगल्स शॉट्स में उन्होंने 10.5 से कम स्कोर नहीं किया। खास तौर पर 13वां शॉट 10.9 का रहा, जो परफेक्ट था।

कोरिया की क्वोन और चीन की पेंग ने उनका पीछा किया, लेकिन एलावेनिल ने लगातार बढ़त बनाए रखी। क्वोन का 22वां शॉट 9.9 रहा, जिसके कारण उनकी गोल्ड की उम्मीदें खत्म हो गईं। पेंग ने अंत तक हार नहीं मानी और 10.8 के साथ फाइनल शॉट लगाया, लेकिन एलावेनिल ने 10.6 और 10.7 के शॉट्स के साथ अपनी बढ़त बरकरार रखी और गोल्ड अपने नाम किया।

फाइनल के लिए एलावेनिल और मेहुली घोष ने क्वालिफाई किया फाइनल से पहले क्वालिफिकेशन राउंड में एलावेनिल ने 630.7 और मेहुली ने 630.3 का स्कोर बनाकर क्रमशः सातवां और आठवां स्थान हासिल किया। दोनों ने अनन्या नायडू (630.0) के साथ मिलकर 1891 के कुल स्कोर के साथ टीम ब्रॉन्ज मेडल जीता। इस इवेंट में चीन ने गोल्ड और कोरिया ने सिल्वर मेडल हासिल किया।

जूनियर महिलाओं की एयर राइफल में भारत का दबदबा जूनियर महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में भारत की शाम्भवी क्षीरसागर, हृदया श्री कोंडुर और ईशा अनिल टकसाले की तिकड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 1896.2 के स्कोर के साथ टीम गोल्ड मेडल जीता। यह स्कोर वर्ल्ड और एशियाई रिकॉर्ड है, जो दूसरे स्थान पर रही चीनी टीम से 11.3 अंक बेहतर था। हालांकि, सिंगल्स फाइनल में शाम्भवी 186.3 के साथ पांचवें, ईशा 165.2 के साथ छठे और हृदया 143.2 के साथ सातवें स्थान पर रहीं।

एशिया कप से पहले बीमार पड़े शुभमन गिल

नई दिल्ली, 23 अगस्त। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल का दलीप ट्रॉफी में खेलना मुश्किल नजर आ रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गिल बीमार हो गए हैं जिस कारण वह 28 अगस्त से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट में नहीं खेल सकेंगे। गिल को दलीप ट्रॉफी में उत्तरी क्षेत्र की कप्तानी करनी थी, लेकिन उन्होंने ने हाल ही में टीम के फिजियोथेरेपिस्टों द्वारा चिकित्सा मूल्यांकन कराया था, जिसकी रिपोर्ट भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को सौंप दी गई है।

कनाडा में भारतीय तीरंदाजों की स्वर्णिम चमक

अंडर 18 कंपाउंड टीम बनी विश्व विजेता

जयपुर, 23 अगस्त। कनाडा में चल रही यूथ वर्ल्ड आर्चरी चैंपियनशिप में भारत के युवा तीरंदाजों ने स्वर्णिम इतिहास रच दिया है। अंडर-18 कंपाउंड पुरुष टीम इवेंट के फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने रोमांचक संघर्ष के बाद अमेरिका को 224-222 अंकों से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इस स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम में तीन युवा तीरंदाज शामिल थे - मोहित दागर, योगेश जोशी और देवांश सिंह। राजस्थान तीरंदाजी संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने जानकारी दी कि इस टीम में राजस्थान के दो तीरंदाज, योगेश जोशी और देवांश सिंह, ने शानदार खेल दिखाते हुए भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। भारतीय टीम के साथ कोच के रूप में भी राजस्थान का प्रतिनिधित्व रहा। अनुभवी कोच सुनील चौधरी ने खिलाड़ियों को मार्गदर्शन दिया और रणनीति के साथ टीम को फाइनल तक पहुंचाकर स्वर्ण पदक जिताने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। एक ही टीम में दो खिलाड़ी और एक कोच का चयन होना राज्य के लिए गौरव की बात है। योगेश जोशी और देवांश सिंह ने दबाव भरे फाइनल में शानदार तीरंदाजी करते हुए भारत की जीत सुनिश्चित की। इस जीत ने भारत की तीरंदाजी को विश्व पटल पर नई ऊँचाइयाँ दी हैं और आने वाले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स के लिए भारतीय युवा खिलाड़ियों का आत्मविश्वास दोगुना कर दिया है।

28 अगस्त तक फुटबॉल विवाद का समाधान निकालें : सुप्रीम कोर्ट

नेशनल फेडरेशन और स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड के बीच राइट्स पर मतभेद

नई दिल्ली, 23 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट ने ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन और फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड से विवाद सुलझाने को कहा है। दोनों संस्थान के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट से जुड़ी समस्या चल रही है।

इसी वजह से इस सीजन इंडियन सुपर लीग अब तक नहीं खेली गई है। लीग के 11 क्लबों ने को लिखकर बताया है कि वे बंद होने की कगार पर हैं।

जस्टिस पी. एस. नरसिम्हा और जॉयमाल्या बागची की बेंच ने शुक्रवार को इस मामले की सुनवाई करते हुए और को निर्देश दिया कि वे आपस में चर्चा करें और 28 अगस्त (अगली सुनवाई की तारीख) तक कोई समाधान निकालें।

और के बीच नया एग्रीमेंट नहीं हुआ है 2025-26 सीजन को इसलिए रोका गया है क्योंकि ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन और आयोजनकर्ता कंपनी फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट का नया एग्रीमेंट नहीं हुआ है।

2010 में 15 साल का एग्रीमेंट हुआ था और के बीच 15 साल का समझौता 2010 में हुआ था, जिसके तहत हर साल को 50 करोड़ रुपए देता है और बदले में उसे भारतीय फुटबॉल (और राष्ट्रीय टीम सहित) का प्रसारण, प्रबंधन और प्रचार का अधिकार मिला है।

क्लबों ने को चेतावनी दी 11 क्लबों ने को चेतावनी दी है कि अगर यह विवाद जल्द हल नहीं हुआ, तो वे पूरी तरह बंद होने की स्थिति में आ सकते हैं। क्लबों ने पिछले हफ्ते अध्यक्ष कल्याण चौबे को पत्र लिखकर कहा कि (मास्टर राइट्स एग्रीमेंट) के नवीनीकरण न होने से पैदा हुआ संकट ने भारत में प्रोफेशनल फुटबॉल को लगभग बंद करा दिया है।

क्लबों ने लिखा, पिछले 11 वर्षों में लगातार निवेश और संयुक्त प्रयास से क्लबों ने युवा विकास प्रणाली, ट्रेनिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर और प्रोफेशनल टीमें बनाई हैं, जिससे भारतीय फुटबॉल की साख देश और विदेश दोनों जगह बढ़ी है।

उन्होंने आगे कहा, अब यह डेवलपमेंट गिरने के खतरे में है। मौजूदा स्थिति ने गंभीर नतीजे दिए हैं। संचालन ठप है और लीग के जारी रहने की कोई गारंटी नहीं है, ऐसे में कई क्लब पूरी तरह बंद होने की कगार पर हैं।

बीसीसीआई का निर्देश नहीं मानेगा साउथ जोन : दलीप ट्रॉफी टीम में बदलाव नहीं

नई दिल्ली, 23 अगस्त। साउथ जोन के सिलेक्टर्स के निर्देश के बावजूद अपनी दलीप ट्रॉफी टीम में सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल क्रिकेटर्स को शामिल नहीं करेंगे। बोर्ड ने एक ईमेल के जरिए सभी स्टेट एसोसिएशन्स को निर्देश दिए थे कि वे अपने-अपने जोन की टीमों में केंद्रीय अनुबंधित भारतीय खिलाड़ियों को भी शामिल करें। ये निर्देश तब जारी किए गए थे, जब साउथ जोन ने केएल राहुल, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, प्रसिद्ध कृष्णा और साई सुदर्शन जैसे बड़े खिलाड़ियों को अपनी दलीप ट्रॉफी की टीम में जगह नहीं दी थी। दलीप ट्रॉफी का आयोजन 28 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू होने वाला है। बीसीसीआई के क्रिकेट ऑपरेशंस विभाग के जनरल मैनेजर अभय कुरुविला ने लिखा था। दलीप ट्रॉफी के रुतबे को बनाए रखने के लिए सभी उपलब्ध भारतीय खिलाड़ियों को जोनल टीमों में चुना जाना जरूरी है। ऐसे में सभी जोन के संयोजकों से अनुरोध है कि वे यह तय करें कि सभी उपलब्ध भारतीय खिलाड़ी दलीप ट्रॉफी के लिए चुने जाएं। साउथ जोन ने 26 दिन पहले 27 जुलाई को सबसे पहले दलीप ट्रॉफी के लिए टीम का ऐलान किया था। उस टीम में देवदत्त पड्डीकल इकलौते ऐसे खिलाड़ी थे, जो टेस्ट क्रिकेट खेल चुके हैं। के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल तिलक वर्मा को इस जोनल टीम का कप्तान बनाया गया था। हालांकि, जब साउथ जोन की टीम जारी हुई थी, तब ये निर्देश नहीं आए थे।

एशिया कप 2025 : भारतीय क्रिकेटर ने चुनी स्पेशल टीम

नई दिल्ली, 23 अगस्त। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मंगलवार को एशिया कप 2025 के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान किया था। इस टीम में श्रेयस अय्यर और यशस्वी जायसवाल को जगह नहीं दी गई। अय्यर का नाम स्टैंड बाय में भी नहीं था। ऐसे में पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने एशिया कप के लिए अपनी वैकल्पिक टीम चुनी और अय्यर को टीम का कप्तान बनाया।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मंगलवार, 19 अगस्त को एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया। इस टीम में श्रेयस अय्यर को जगह नहीं दी गई। इतना ही अय्यर का नाम रिजर्व खिलाड़ियों की लिस्ट में भी नहीं था। ऐसे में पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने एशिया कप के लिए अपनी वैकल्पिक टीम चुनी और अय्यर को टीम का कप्तान बनाया। आकाश ने अपनी टीम में उन प्लेयर्स को जगह दी है, जिनका सेलेक्शन एशिया कप के लिए चुनी गई भारतीय टीम में नहीं हुआ है। आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो में कहा, "शुरुआत करते हैं यशस्वी जायसवाल से। मुझे लगता है कि उनका नाम एशिया कप टीम में भी होना चाहिए था क्योंकि वह टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा थे।

निजी आयोजकों ने स्टेडियम को बनाया महखाना

जयपुर, 23 अगस्त। सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित आरसीए क्रिकेट अकादमी पर स्पोर्ट्स काउंसिल द्वारा निजी आयोजकों को किराए पर क्रिकेट मैच के लिए दिया था लेकिन बरसात होने की वजह से क्रिकेट मैच नहीं खेला जा सका। लेकिन क्रिकेट मैच खेलने आए खिलाड़ियों द्वारा आरसीए अकादमी के बाहर शराब के दौर शुरू कर दिए गए। कार की डिग्गी में शराब के केन निकालकर रोड़ पर ही बरसात में शराब का आनंद लेते रहे। इस प्रकार की घटना का जिम्मेदार कौन है? शनिवार होने के कारण स्पोर्ट्स काउंसिल के दफ्तर की छुट्टी थी। स्पोर्ट्स काउंसिल अगर इसी तरह निजी आयोजकों को क्रिकेट अकादमी किराए पर देती रही तो आगे भी किराए के लालच में इसी घटनाएं होती रहेंगी।

सागरमल मेहता बैडमिंटन में जजों व वकीलों ने दिखाया दमखम

जयपुर, 23 अगस्त। सागरमल मेहता मेमोरियल बैडमिंटन टूर्नामेंट में आज मुख्य अतिथि माननीय न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा ने सागरमल मेहता के चित्र को माल्या अर्पण व दीप प्रज्वलित कर व प्रथम शटल खेल प्रतियोगिता की शुरुआत की इस मौके पर न्यायाधीश अवनीश झींगन ,रवि चिरानिया, अनुरूप सिंघी ,संदीप तनेजा, मनीष शर्मा ,अनिल उपमन, पंकज भंडारी, आनंद शर्मा तथा आयोजक बार काउंसिल के अध्यक्ष महेंद्र शांडिल्य , रमीत पारीक वह कार्यक्रम के सहयोगी पूर्व उप महाअधिवक्ता अनिल मेहता तथा आर एस मेहता, सोनल मेहता, पल्लवी मेहता तथा वरिष्ठअधिवक्ता मौजूद रहे प्रारंभ में सीनियर एडवोकेट व न्यायाधीशोंके मध्यमैचखेले गए 40 आयु वर्ग क्वार्टर फाइनल मैच में संदीप खीची ने अमित पूनिया को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया वहीं दूसरे क्वार्टर में बाबूलाल ने रवीन शर्मा को हरा सेमीफाइनल में प्रवेश किया एक अन्य क्वार्टर फाइनल में जवाहर सिंह ने भरत सिंह को क्वार्टर फाइनल में वॉकओवर दे दिया जिससे भरत सिंह सेमीफाइनल में पहुंचे चौथे क्वार्टर फाइनल में प्रदीप कुमार बोरा ने रजनीश सिंह को 15-10 ,15-9 से हरा सेमीफाइनल में प्रवेश किया महिलाओं के एकल में किंजल सुराणा ने प्रियंका पालीवाल को क्वार्टर फाइनल में हरा सेमीफाइनल में प्रवेश किया वहीं दूसरे क्वार्टर फाइनल में स्तुति भंसाली ने पूजा शर्मा को हरा सेमीफाइनल में प्रवेश किया तीसरे क्वार्टर फाइनल में भुवनेश्वरी ने एनिमा चतुर्वेदी को हरा सेमीफाइनल में प्रवेश किया

अध्यक्ष महेंद्र शांडिल्य के अनुसार मिक्स डबल, महिला डबल्स, तथा शेष रहे एकल मैच व फाइनल सभी मैच कल होंगे तथा शाम को परितोषित वितरण वह समापन समारोह होगा।

3 हजार 7 सौ करोड़ रु. की लागत से 95 एकड़ में बनेंगे राजस्थान मण्डपम् और जी.सी.सी.

राज्य मंत्रिमण्डल की बैठक में आर्थिक विकास को गति देने के लिए दो नई भूमि आवंटन नीतियों को मंजूरी

जयपुर, 23 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित मंत्रिमण्डल की बैठक में प्रदेश की आर्थिक समृद्धि, सतत् विकास एवं समावेशी प्रगति के विजन डॉक्यूमेंट 'विकसित राजस्थान/2047' एवं 2 नीतियों को मजूंरी दी गई। इसके साथ ही, आगामी विधानसभा सत्र को देखते हुए 3 विधेयकों के प्रारूप के अनुमोदन, परवन बांध डूब क्षेत्र के विस्थापितों को विशेष अनुग्रह राशि स्वीकृत करने तथा युवाओं में उद्यिमता को प्रोत्साहन देने से जुड़े महत्वपूर्ण फैसले किए गए।

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ तथा जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने पत्रकार वार्ता में बताया कि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप राज्य सरकार के 'विकसित राजस्थान/2047' विजन डॉक्यूमेंट का मंत्रिमण्डल द्वारा अनुमोदन किया गया।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि इस विजन डॉक्यूमेंट में राजस्थान को वर्ष 2030 तक 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और वर्ष 2047 तक 4.3 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा युवाओं को स्वावलंबी बनाने एवं रोजगार के नए अवसर उपलब्ध करने के उद्देश्य से विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना को मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी प्रदान की गई।

संसदीय कार्य मंत्री ने बताया कि राज्य में सार्वजनिक, सामाजिक, धार्मिक एवं चैरिटेबल संस्थाओं, ट्रस्ट, निजी निवेशकों, कम्पनियों तथा विभिन्न विभागों द्वारा शैक्षिणक, चिकित्सकीय, औद्योगिक, व्यावसायिक और पर्यटन इकाइयों आदि के लिए भूमि आवंटन प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी, एकरूप बनाने के उद्देश्य से 'नगरीय क्षेत्रों में विभिन्न उद्देश्यों के लिए भूमि आवंटन नीति-2025' लाई जा रही है।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने "विकसित राजस्थान/2047" विज़न डॉक्यूमेंट का अनुमोदन किया। इसमें 2030 तक राजस्थान को 350 बिलियन डॉलर तथा 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा गया है।**
- **मंत्रिमंडल बैठक में एयरो स्पोर्ट्स गतिविधियों के लिए हवाई पट्टियां लीज़ आवंटन नीति को भी मंजूरी दी गई।**

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि राज्य में एयरो स्पोर्ट्स गतिविधियों को बढ़ावा देने, वर्तमान में कम उपयोग में आ रही हवाई पट्टियों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने और एडवेंचर ट्यूरिज्म को प्रोत्साहन देने के लिए एयरो स्पोर्ट्स गतिविधियों हेतु हवाई पट्टियों की भूमि लीज आवंटन नीति को मंजूरी दी गई है। इस नीति से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने बताया कि बी-2 बाईपास, जयपुर स्थित रीको की 95 एकड़ भूमि पर राजस्थान मण्डपम, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, आईटी टावर का निर्माण राजस्व सृजन सह विकास मॉडल के आधार पर एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के माध्यम से कराये जाने के प्रस्ताव का कैबिनेट द्वारा अनुमोदन किया गया। इस भूमि पर राजस्थान मण्डपम, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर/आईटी टावर, 5-स्टार होटल, 4-स्टार होटल, आवासीय एवं वाणिज्यिक टावरों का विकास किया जाएगा। परियोजना की कुल अनुमानित लागत लगभग 3700 करोड़ रुपए है, जिसमें 635 करोड़ रुपये की भरपाई राज्य सरकार द्वारा की जाएगी। परियोजना पूर्ण होने की अनुमानित अवधि 30 माह है। कैबिनेट की बैठक के बाद मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित की गई। संसदीय कार्य मंत्री पटेल ने बताया कि राज्य सरकार वन स्टेट, वन इलेक्शन को लागू करने की दिशा में निरंतर जरूरी कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

उत्तराखंड के चमोली में बादल फटा, जान माल का भारी नुकसान

नयी दिल्ली, 23 अगस्त। उत्तराखंड के चमोली जिले के थराली में शुक्रवार देर रात बादल फटने की घटना में सगवाडा तोक के काफलतोली, थराली बाजार, कोटदीप और तहसील थराली परिसर में बारिश का पानी और मलबा घुसने से काफी नुकसान हो गया है और मलब में दबकर लड़की की मौत हो गयी तथा अन्य एक बुजर्ग अभी भी लापता है। इस प्राकृतिक आपदा की वजह से पूरे इलाके में तबाही मच गयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बादल फटने की घटना से थराली बाजार, कोटदीप, और तहसील थराली परिसर में भारी नुकसान हुआ है। तहसील परिसर में उपजिलाधिकारी का आवास और आसपास के कई घरों में भारी मात्रा में मलबा जमा हो गया। तहसील परिसर, रामलीला मैदान, कोट डीप, चेपड़ो सड़क पर खड़ी कुछ गाड़ियां भी मलबे में दब गये हैं तेज बहाव और मलबे के कारण कस्बे की सड़कें टूट गयी हैं।

- **मलबे में दबने से एक लड़की की मौत हो गई तथा एक बुजुर्ग लापता है।**

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार थराली में देर रात 12 बजकर 48 मिनट पर टुनरी गदेरे में पानी बढ़ने के कारण तहसील परिसर एवं चेपड़ो बाजार, कोटद्वीप बाजार एवं कुछ घरों में मलबा घुस गया। कुछ वाहन भी मलबे में दब गये हैं। राजस्व उपनिरीक्षक, थराली द्वारा बताया गया है कि ग्राम सगवाडा में एक मकान में मलबा आने के कारण एक लड़की की मलबे में दबने से मौत हो गयी और एक अन्य बजुर्ग लापता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चमोली जनपद के जनप्रतिनिधियों से टेलीफोन पर वार्ता कर बादल फटने से हुए नुकसान की विस्तृत जानकारी ली।

कोटा संभाग शनिवार को भी बाढ़ ग्रस्त रहा

सेना, एसडीआरएफ व एनडीआरएफ ने 200 से अधिक लोगों को रैस्क्यू किया

कोटा संभाग में लगातार वर्षा होने से कोटा, बूंदी और बारां के कई इलाके बाढ़ग्रस्त हो गए। सेना, एसडीआरएफ व एनडीआरएफ ने 200 से ज्यादा लोगों का रेस्क्यू करने के लिए नौकाओं का इस्तेमाल किया।

कोटा, 23 अगस्त (निसं)। कोटा संभाग में वर्षा का क्रम शनिवार दोपहर तक जारी रहा। कोटा, बूंदी और बारां के कई इलाके बाढ़ ग्रस्त हो गए हैं। जहां पर 8 से 10 फीट पानी भर गया है। लगातार बारिश होने से पानी लगातार बढ़ रहा है।

संभाग में करीब एक दर्जन कच्चे मकान गिर गए हैं। तीन दर्जन के आसपास कच्चे-पक्के मकान में क्षतिग्रस्त हैं। इनमें बारां, बूंदी व और कोटा के मकान शामिल हैं। सेना, एसडीआरएफ व एनडीआरएफ ने यहां पर 200 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया है। पूरी रात इन इलाकों में सेना ने ऑपरेशन चलाया है। लोगों को रेस्क्यू करने के लिए नौकाओं का इस्तेमाल किया गया है।

इधर बूंदी जिले में जलप्रलय जैसे हालात हैं। नवलसागर और जैतसागर झीलें उफान पर हैं। झीलों से छोड़े गए हजारों क्यूसेक पानी ने शहर और गांवों में बाढ़ आ गई है।महावीर कॉलोनी, मजिस्ट्रेट कॉलोनी और देवपुरा जैसे इलाकों में घरों में भारी बारिश से नैनवां और देई कस्बे के आसपास के गांव जलमग्न हो गए। कलेक्टर अक्षय गोदारा, एसपी राजेंद्र कुमार मीणा खुद मौके पर डटे हैं, वहीं, सेना, एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमें लगातार राहत और बचाव कार्य में लगी हुई हैं। लाखेरी पुलिस उपाधीक्षक नरेंद्र नागर ने बताया कि कस्बे की लालपुलिया और शिवनगर बस्तियों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए अभियान चलाया गया।

बूंदी पुलिस अधीक्षक राजेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि सेना के साथ एसडीआरएफ लगातार रेस्क्यू चलाकर बाढ़ और जलभराव वाले इलाकों से लोगों को निकाल रही है। कई कस्बों और गांवों का मुख्यालय से संपर्क टूटा हुआ है। सेना, एसडीआरएफ लोगों को बचाने में जुटे हुए हैं।

- **बूंदी जिले के नैनवां व देई कस्बे के पास के गांव जलमग्न हो गये। कोटा जिले में दीगोद के निमोद हरिजी गांव व आसपास के इलाके में आज भी बाढ़ के हालात बने हुए हैं।**

दूसरी तरफ कोटा जिले के दीगोद के निमोद हरिजी गांव और आसपास के इलाके में आज भी बाढ़ जैसे हालात बने हैं। एसडीआरएफ के इंचार्ज अम्मी लाल ने बताया कि उन्होंने शुक्रवार सुबह से ही ऑपरेशन चलाया हुआ था। उनकी टीम सुल्तानपुर, कैथून, दीगोद, बूंदी के कापरेन सहित अलग-अलग गांव में तैनात हैं। लगातार बारिश भी हो रही है इसके चलते पानी नहीं उतर रहा है। दीगोद और सुल्तानपुर में अभी भी हालात बिगड़े हुए हैं।

रास्ते बंद होने के चलते 100 से ज्यादा गांवों से का संपर्क टूट गया है। कही नदी नाले के उफान ने राह रोकी है तो कहीं बारिश में पुलिया या अन्य स्ट्रक्चर क्षतिग्रस्त हो गया है। कोटा जिले में कोटा श्योपुर का रास्ता बंद है। इससे सुल्तानपुर, दीगोद, इटावा, खातौली और अन्य जगह का सीधा संपर्क कोटा से टूटा हुआ है। इसी तरह से कोटा कैथून मार्ग बंद है जिसके चलते सांगोद का रास्ता भी बंद हो गया।

बारां जिले की बात की जाए तो यहां भी कई रास्ते बंद हैं। बारां जिले में करीब 40 से ज्यादा गांव का संपर्क टूटा हुआ है।

पीपल्दा विधायक चेतन पटेल कोलाना का कहना है कि भीषण बारिश हो रही है पर ग्रामीण अपने घरों को छोड़कर नहीं जाना चाहते जबकि पानी काफी है। सभी को अपील कर रहे हैं कि वह घर को छोड़कर और गांव को छोड़कर बाहर आ जाएं क्योंकि घर गिर जाएगा तो मुआवजा बाद में लिया जा सकता है। हालांकि लोग घरों में जानवर होने के चलते उन्हें छोड़कर भी नहीं आना चाहते हैं।

खेत पूरी तरह से तालाब बन गए हैं। व्यापारियों को भी काफी नुकसान हो रहा है। बारिश के चलते उनके दुकान मकान में पानी प्रवेश कर गया था जिससे काफी माल खराब हुआ। खेतों में पानी भर जाने के चलते किसानों को नुकसान की भी हो रहा है। कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक अतीश कुमार शर्मा का कहना है कि खेत में चावल की फसल में पानी भर जाने से नुकसान नहीं होगा लेकिन दूसरी फसलों में पानी ज्यादा समय तक भरा रहने से नुकसान की आशंका है।

भारी बारिश के कारण पीडब्ल्यूडी, अन्य एजेंसियों की सड़कों और पुलियों के साथ-साथ अन्य स्ट्रक्चर को भी नुकसान पहुंचा है। कोटा संभाग में सैकड़ों किलोमीटर सड़कें खराब हो गई हैं। अब इन्हें अस्थाई दुरुस्त कर चलने लायक बनाया जाएगा। साथ ही स्थाई मरम्मत की भी आवश्यकता रहेगी। पीडब्ल्यूडी कोटा के अधीक्षक अभियंता जगदीश गुप्ता का कहना है कि पहले एक बार असेसमेंट करवाया था, जिसमें कोटा जिले में 1025 किलोमीटर की सड़कों को मरम्मत की जरूरत थी। अब इसमें और बढ़ोतरी होगी।

इलैक्ट्रॉनिक फार्मास्युटिकल व सोलर एनर्जी के सामान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। दोनों देश अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने, स्थानीय मुद्राओं में लेन-देन बढ़ाने और ग्लोबल साउथ की संस्थाओं को मजबूत करने वाले कदमों का समर्थन करते हैं। ब्रिक्स की पहल "न्यू डैवलपमेंट बैंक" को भारत का समर्थन प्राप्त है, भले ही उस पर बीजिंग का प्रभाव अधिक हो।

ऊर्जा क्षेत्र इस मेलजोल को और गहरा करता है। भारत की रूस से रियायती कच्चे तेल की बढ़ती खरीद, जो अक्सर रुपये, दिरहम या युआन में तय की जाती है, डॉलर-विहीन वित्तीय व्यवस्थाओं की दिशा में चीन की सोच के अनुरूप है। दिल्ली इसे व्यावहारिकता के रूप में देखता ह जैसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए सस्ती ऊर्जा सुनिश्चित करना, लेकिन इसका समग्र प्रभाव यह होता है कि यह डॉलर वर्चस्व को चुनौती देने में चीन के साथ खड़ा दिखता है। वहीं, अमेरिका की आर्थिक नीति ने स्थिति को जटिल बना दिया है। भारतीय स्टील, रसायनों और दवाइयों पर लगाए गए शुल्क भारत के निर्यात के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों को प्रभावित करते हैं। हाल ही में, अमेरिका की ओर से रूस से कच्चे तेल की खरीद पर दी गई चेतावनियों ने दिल्ली में असंतोष उत्पन्न किया है, जो कहता है कि उसकी ऊर्जा सुरक्षा को पश्चिमी प्रतिबंधों के अधीन नहीं किया जा सकता।

ये कदम भारतीय नीति निर्माताओं में यह धारणा मजबूत करते हैं कि अमेरिका एक भरोसेमंद राजनीतिक साझेदार हो सकता है, लेकिन एक आर्थिक साझेदार के रूप में वह अविश्वसनीय है। इसके विपरीत, ब्रिक्स के भीतर चीन की पहलें-जैसे स्थानीय मुद्रा व्यापार और वैकल्पिक भुगतान प्रणाली-भारत को अधिक स्वतंत्रता देती हैं।

रूस की भूमिका इस संतुलन गतिविधि को और तीव्र करती है। दशकों से, मॉस्को भारत का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता रहा है। यूक्रेन युद्ध के बाद से, वह एक प्रमुख तेल आपूर्तिकर्ता भी बन गया है। रूस की चीन पर बढ़ते निर्भरता के कारण भारत की मास्को से नज़दीकियाँ अनिवार्य रूप भारत को से बीजिंग के करीब ले आती हैं।

ब्रिक्स जैसे मंचों पर यह त्रिकोणीय संबंध स्पष्ट हो जाता है। रूस और चीन पश्चिमी वर्चस्व को चुनौती देने में एकजुट हैं, जबकि भारत-चीन से सतर्क रहते हुए भी-आईएमएफ सुधार या डॉलरीकरण-विरोध जैसे मुद्दों पर रूस व चीन के साथ खड़ा होने में सामरिक लाभ देखता है। दिल्ली और बीजिंग में भरोसे का नहीं बल्कि सुविधा नहीं, बल्कि सुविधा जोड़ती है। भारत की यह प्रतीत होती विरोधाभासी नीति-राजनीतिक रूप से अमेरिका से मेल और आर्थिक रूप से चीन से सहयोग-उसकी दीर्घकालिक "रणनीतिक स्वायत्तता" की नीति का ही प्रतिबिंब है। शीत युद्ध के समय से ही भारत ने किसी भी ध्रुवीय गुटबंदी से दूर रहते हुए प्रतिस्पर्धी शक्तियों के बीच संतुलन बनाए रखने की नीति अपनाई है।

यह संतुलन एक सोची-समझी रणनीति है। सुरक्षा के मोर्चे पर अमेरिका से मेल रखते हुए और वित्तीय स्तर पर चीन के साथ सहयोग करते हुए भारत दोनों से लाभ उठाता है। यह अमेरिका को संकेत देता है कि यदि वह दंडात्मक व्यापार उपाय अपनाएगा, तो भारत चीन के करीब जा सकता है, वहीं यह चीन को बताता है कि अमेरिका के साथ सुरक्षा सहयोग पर कोई समझौता नहीं होगा।

अमेरिका के लिए, ब्रिक्स में भारत की भागीदारी जो डॉलर की प्रधानता को चुनौती देती है, में भारत की भागीदारी निराशाजनक है। अमेरिकी रणनीतिकार चाहते हैं कि भारत पश्चिमी आर्थिक व्यवस्था में मजबूती से बना रहे, और उसके विखंडन में योगदान न दे। लेकिन शुल्क और प्रतिबंध भारत को विपरीत दिशा में धकेल सकते हैं।

चीन के लिए, भारत की इंडो-पैसिफिक नौसैनिक तैयारी और क्वाड सहयोग एक खतरा हैं। भले ही दिल्ली बहुपक्षीय अर्थशास्त्र में चीन के साथ तालमेल करता हो, वह हिंद महासागर में चीन का मुकाबला करने के लिए सैन्य तैयारी भी कर रहा है। बीजिंग की नजर में भारत साझेदार भी है और प्रतिद्वन्दी भी और इससे क्षेत्रीय रणनीति में अनिश्चितता उत्पन्न होती है।

भारत के लिए, खतरा इस संतुलन को ज़रूरत से ज़्यादा खींचने में है। चीन के साथ बहुत अधिक आर्थिक मेल घरेलू राजनीतिक प्रतिक्रिया और अंतरराष्ट्रीय संदेह को जन्म दे सकता है। वहीं, अमेरिका के साथ बहुत अधिक राजनीतिक मेल अमेरिका पर निर्भरता बढ़ाता है और रणनीतिक लचीलापन खोने का जोखिम पैदा करता है।

भारत की अमेरिका और चीन के प्रति नीति दो दिशाओं में खिंच रही है। राजनीति और सुरक्षा इसे वॉशिंगटन के करीब खींच रही हैं, जबकि अर्थव्यवस्था और बहुपक्षीय वित्तीय रणनीतियाँ इसे चीन के साथ सामरिक मेल में ला रही हैं, विशेष रूप से "ग्लोबल साउथ" की पृष्ठभूमि में। यह विरोधाभास नहीं है, यह रणनीति है। अमेरिका के साथ राजनीतिक साझेदारी और चीन के साथ आर्थिक मेल बनाए रखकर भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता की नीति को मज़बूत करता है। लेकिन यह अमेरिका की शुल्क-प्रधान नीति और चीन की दबाववादी रणनीति की सीमाओं को भी उजागर करता है।

यूरोपीय देश एकजुट होकर अमेरिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुतिन ने बहुत स्पष्ट रूप से रूस के लिए अपने विज़न को व्यक्त किया जो वह अतीत के साम्राज्यों की रोशनी में देख रहे हैं।

इसी के समानांतर, रूस ने, जैसा कि उम्मीद थी, अमेरिका की उस पहल को ठुकरा दिया जिसमें अमेरिका की अगुवाई में रूस और यूक्रेन के नेताओं की त्रिपक्षीय बैठक का प्रस्ताव था। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भी ने ऐसा संकेत दिया है।

रूस की स्थिति की विसंगति साफ झलकती है क्योंकि वह एक दुविधा में फंसा हुआ है और कुछ देशों को छोड़कर, यूक्रेन को अधीन करने की कोशिश में रूस पूरी तरह अलग-थलग खड़ा है।

रूसी विदेश मंत्री के बयानों से संकेत मिलता है कि शांति समझौते की बातचीत की संभावनाएँ हो सकती हैं। रूसी नेता, जो एक माहिर राजनयिक और विदेश नीति के जानकार हैं, ने संकेत दिए हैं कि वार्ताएँ फिर से शुरू हो सकती हैं।

लावरोव ने संकेत दिया कि यूक्रेन ने अब तक उन वार्ता शर्तों को स्वीकार नहीं किया है जो अमेरिकी राष्ट्रपति ने प्रस्तावित की थीं, यानी क्षेत्रीय समझौता और यूक्रेन का नाटो में शामिल न होना। उन्होंने कहा कि यूक्रेन ने इन शर्तों को नहीं माना है।

उन्होंने आगे कहा कि पुतिन शांति वार्ता तभी करेंगे जब शांति की शर्तों का विवरण स्पष्ट हो। यह रूसी भाषा में फिलहाल सीधे वार्ता न करने का संकेत है।

फिर भी, रूस अब उस व्यापक गठबंधन से अवगत है जो यूरोप और समूचे अटलांटिक दोनों ओर उसके खिलाफ खड़ा है। अमेरिका लगातार शांति समझौते को पूरा करने के लिए उत्सुक रहा है। उसने यूरोपीय देशों और यूक्रेन को ज़मीन के अदला-बदली वाले समझौते की शर्तें स्वीकार करने के लिए मनाने की कोशिश की।

पहले, यूरोपीय देश और यूक्रेन रूस को क्षेत्रों को सौंपने पर किसी समझौते पर नहीं पहुँच सके। वास्तव में, यूक्रेन तो रूस से क्रीमिया को वापस लेने की कोशिश में लगा हुआ था और उसकी सैन्य शक्ति का बड़ा हिस्सा क्रीमिया के संबंधों को पूरी तरह तोड़ने पर केंद्रित था।

खराब लड्डू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की। उसने जब खुद प्रसाद ग्रहण किया तो पता चला कि लड्डूओं में से बदबू आ रही थी। इस पर उसने अपने परिचित कैलाश से घी की जांच करने के लिए कहा तो पता चला कि घी खराब था। जिस पर परिवादी ने तुरंत ही विपक्षी हलवाई को खराब लड्डू बेचने की शिकायत की। विपक्षी ने उसे कहा कि वे प्रसादी लौटा दें और इसके बदले में उन्हें इसकी कीमत 18,500 रुपए वापस कर दी जाएगी।

एन.डी.ए. के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महासचिव ने कहा कि चुने हुए जनप्रतिनिधियों को अपराध के आधार पर हटाने वाले ये बिल गलत तरीके से बनाए गए हैं और इनका असली निशाना विपक्ष के मुख्यमंत्री और नेता हैं।

आचार्य ने कहा कि संविधान में पहले से ही जनप्रतिनिधियों पर कार्रवाई के पर्याप्त प्रावधान मौजूद हैं। भ्रष्ट नेता को दंड मिलना चाहिए, लेकिन इस बिल से राजनीतिक प्रतिशोध का खतरा बढ़ेगा और अस्थिरता पैदा होगी।

आचार्य ने चेतावनी दी कि "ऊपरी तौर पर यह सही लगता है कि भ्रष्ट नेता सत्ता में न रहें, लेकिन असलियत इतनी आसान नहीं है।

ऐसे कानून से राजनीतिक अराजकता और अस्थिरता फैल सकती है।"

अपने सबसे विश्वास...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दर्शाता है।

गोर की नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब भारत और अमेरिका के संबंधों में सहयोग और तनाव दोनों मौजूद हैं। रक्षा सहयोग और इंडो-पैसिफिक रणनीति पर दोनों देश करीब आए हैं, लेकिन शुल्क, ऊर्जा आपूर्ति और रूस तथा ईरान के साथ भारत के आर्थिक संबंधों को लेकर मतभेद बने हुए हैं। ऐसे में राजदूत की भूमिका इन जटिलताओं को संभालने में अहम होगी।

सीनेट की पुष्टि की प्रक्रिया यह तय करेगी कि गोर नई दिल्ली में अपना पद कब तक संभाल पाएंगे। हालांकि उनकी ट्रंप से नजदीकी और राजनयिक अनुभव की कमी के चलते यह नामांकन काफी ध्यान आकर्षित कर सकता है, लेकिन समर्थकों का मानना है कि उनकी संगठन क्षमता और राष्ट्रपति से सीधा संबंध उन्हें अमेरिकी नीतियों को आगे बढ़ाने में एक बड़ी ताकत प्रदान करेगा।

भारत ने इस नामांकन पर औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। लेकिन नई दिल्ली आमतौर पर उन अमेरिकी राजदूतों का स्वागत करता रहा है जिन्हें राष्ट्रपति का पूर्ण समर्थन प्राप्त हो, क्योंकि इससे संदेश सीधा उच्च स्तर पर पहुंचता है। विश्लेषकों का मानना है कि ट्रंप के करीबी होने के कारण, यदि गोर की नियुक्ति होती है तो उन्हें वाशिंगटन में असाधारण प्रभाव प्राप्त हो सकता है।

इस नियुक्ति के माध्यम से ट्रंप ने यह संकेत दिया है कि वे भारत-अमेरिका संबंधों पर व्यक्तिगत रूप से नज़र बनाए रखना चाहते हैं। नई दिल्ली के लिए, वाइट हाउस से सीधा संपर्क रखने वाले एक नए दूत का आना नई संभावनाओं के द्वार खोल सकता है, विशेषकर तब जब दोनों देश सहयोग और प्रतिस्पर्धा के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

गोर की नियुक्ति को कई लोग एक सकारात्मक बदलाव के रूप में देख रहे हैं, विशेष रूप से ट्रंप के साथ उनकी गहरी व्यक्तिगत निकटता के कारण। उज्बेकिस्तान के ताशकंद में जन्मे गोर को मीडिया में शायद सबसे शक्तिशाली व्यक्ति जिनके बारे में आपने कभी नहीं सुना और मार-आ-लागो के मेयर के रूप में बताया गया है। उन्हें ट्रंप के आंतरिक मंडल का एक केंद्रीय व्यक्ति माना जाता है। वे इतने प्रभावशाली हैं कि एलन मस्क ने ट्रंप के साथ अपने मतभेद के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया था।

लेकिन कई रणनीतिक विशेषज्ञ गोर की नियुक्ति से चिंतित हैं। उनकी चिंता क्या है? दोहरी भूमिका को लेकर है। भारत के लिए अमेरिकी राजदूत के रूप में वे एक साथ दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए विशेष दूत के रूप में भी कार्य करेंगे, जिससे वे पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल और अन्य देशों में अमेरिकी कूटनीति की जिम्मेदारी उठाएंगे।

भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने इस कदम की तीखी आलोचना की है। कंवल सिब्बल ने एक्स पर लिखा, "यह पहली बार है जब भारत में कोई अमेरिकी राजदूत दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए विशेष दूत भी है। इसका मतलब है कि उसके पास अमेरिकी विदेश विभाग के साउथ एंड सेंट्रल एशियन अफेयर्स ब्यूरो के अधिकार क्षेत्र को कवर करने वाला एक व्यापक अधिकार होगा। इसका सीधा अर्थ यह है कि वह इस क्षेत्र में भारत के संबंधों पाकिस्तान और हमारे अन्य पड़ोसियों के साथ, निगरानी करेगा। इसका मतलब यह भी है कि वह इस क्षेत्र में अन्य अमेरिकी राजदूतों के साथ परामर्श और समन्वय करेगा, ताकि एक अधिक एकीकृत दृष्टिकोण विकसित किया जा सके।"

जयपुर में दिनभर वर्षा, आमेर महल के रास्ते की दीवार ढही

शनिवार को चौमूं में 4 इंच बरसात हुई, मुहाना मंडी में भी दुकानों, गोदामों में दो फिट पानी भरा

जयपुर, 23 अगस्त। राजधानी जयपुर में शनिवार को अलसुबह से लेकर देर शाम तक बारिश हुई। इस दौरान विश्वविख्यात पर्यटन स्थल आमेर किले के रास्ते की दीवार भी ढह गई। आमेर किले तक पहुंचने के लिए जो मुख्य मार्ग था, वहां रास्ते में "दिल-ए-आराम बाग" के पास दीवार धराशायी हो गयी। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई, परंतु वहां खड़ी दो बाइक क्षतिग्रस्त हो गयी। आमेर महल के अधीक्षक डॉ.राकेश छोलक ने बताया कि बारिश के कारण दीवार गिरी है। हादसे के बाद मौके पर मलबे का ढेर लग गया। एहतियात के तौर पर आवाजाही बंद कर दी गई। जयपुर कंट्रोल रूम से प्राप्त जानकारी के मुताबिक जयपुर जिले के चौमूं में सबसे ज्यादा 100 मिलीमीटर (एम.एम.) बारिश दर्ज हुई, जो कि करीब 4 इंच से ज्यादा है। जयपुर कलेक्ट्री सर्किल पर बारिश सिर्फ 23 एम.एम. ही दर्ज हुई। इसके अलावा दूदू में 93, माधोराजपुरा 90, रामपुरा डाबडी में 92, सांभर में 92, मौजमाबाद 81, नरेना 72 एम.एम. बारिश हुई।

- **मौसम विभाग ने जयपुर में रविवार के लिए तेज बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है।**

ज्ञात रहे कि जयपुर में अब तक कुल 592.9 बारिश हो चुकी है। जबकि मानसून के पूरे सीजन (1 जून से 30 सितंबर तक) औसत बारिश 524.3 होती है। मानसून की कुल औसत बारिश से ज्यादा पानी जयपुर में बरस चुका है। वहीं, अभी कुछ दिन अच्छी बारिश की संभावना है। मौसम केंद्र ने जयपुर में रविवार के लिए तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। साथ ही अगले तीन-चार दिन जयपुर शहर और उसके आसपास माध्यम से तेज बारिश होने की संभावना जताई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को शहर में दिनभर बारिश के कारण जगह-जगह पानी भर गया। सवाई मानसिंह अस्पताल और जेकेलोन हॉस्पिटल के बाहर पानी भरने के कारण मरीजों और उनके परिजनों को आवाजाही में भारी परेशानियां उठानी पड़ी। बारिश से मुहाना मंडी की दुकानों और गोदामों में दो-दो फीट तक पानी भर गया। व्यापारी पंप लगाकर पानी निकालते रहे। जयपुर फल एवं सब्जी थोक विक्रेता संघ के अध्यक्ष योगेश तंवर ने बताया कि इस समस्या को लेकर वे लगातार प्रशासन और अधिकारियों को ज्ञापन देते आ रहे हैं, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। केवल फौरी कार्रवाई की जाती है, जबकि असल समस्या जस की तस बनी रहती है।

जयपुर में शनिवार को अलसुबह से लेकर देर शाम तक बारिश होने से पर्यटन स्थल आमेर किले के रास्ते की दीवार ढह गयी।

मोदी के खिलाफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पर तेजस्वी यादव ने अभद्र टिप्पणी की। पुलिस उपाधीक्षक रक्षपाल सिंह ने जानकारी देते हुये बताया कि जिलाध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत ने बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के खिलाफ कोतवाली तालबेहट में तहरीर दी है, जिस पर आर.जे.डी. नेता व बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ कोतवाली में धारा 173 बी.एन.एस.एस. के तहत एफ.आई. आर. दर्ज की गई है व मामले की जांच की जा रही है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908